उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन 22-23 नवंबर, 2025 को आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

बांग्लादेश के ढाका में 5.5 तीव्रता का भूकंप, कोलकाता समेत पूर्वोत्तर भारत में लगे झटके

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 322 | रायपुर | शनिवार 22 नवंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G/RYP DN/71/2023-25

दिल्ली कार धमाका : महिला डॉक्टर शाहीन को मिली थी आंतकी डॉक्टरों की टीम बनाने की जिम्मेदारी

नईदिल्ली, संवाददाता।

दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार धमाके में एक महिला डॉक्टर शाहीन सईद को भी एजेंसियों ने गिरफ्तार किया है। फिलहाल वो राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिरासत में है। जानकारी सामने आई है कि लखनऊ की रहने वाली शाहीन को आतंकी डॉक्टरों की टीम बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उसने 5-5 डॉक्टरों की कुछ टीमे भी बनाई थीं और हर टीम का एक लीडर नियुक्त कर रखा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहीन पकड़ में आने से बचने के लिए केवल टीम लीडर से ही बात करती थी। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि यह तरीका टीम की गोपनीयता बनाए रखने और किसी सदस्य के पकड़े जाने की स्थिति में दूसरी टीमों की पूछताछ से बचने के लिए थी। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि शाहीन ने कितनी टीमें बनाईं और कितने लोगों को भर्ती किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि शाहीन को भारत में पाकिस्तानी आतंकी समूह जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) की महिला विंग जमात उल-मोमिनात बनाने का भी काम सौंपा गया था। इस विंग का कामकाज पाकिस्तान में जेईएम के संस्थापक मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर संभालती है। इसके अलावा शाहीन समूह की आर्थिक गतिविधियों को भी देखती थी।

आतंकी डॉक्टर बम बनाने के लिए कर रहा था आटा चक्की का इस्तेमाल, घर से बरामद

दिल्ली में हुए विस्फोट मामले में जांच कर रहीं एजेंसियों को पता चला है कि फरीदाबाद से गिरफ्तार अल-फलाह विश्वविद्यालय का डॉक्टर मुजम्मिल शकील गनई बम बनाने के लिए आटा चक्की का इस्तेमाल कर रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, संदिग्ध आतंकी शकील आटा चक्की में बम का रसायन तैयार करता था। उसने यह चक्की टैक्सी चालक के घर रखवाई थी। जांच एजेंसियों को टैक्सी चालक के घर से आटा चक्की, ग्राइंडर और कुछ इलेक्ट्रॉनिक मशीनें भी मिली हैं।

दिल्ली में अमोनियम नाइट्रेट की खरीद पर एलजी ने नजर रखने के दिए आदेश

नई दिल्ल एजेंसी दिल्ली के लाल किले के नजदीक हुए बम धमाके के बाद सरकार और जांच एजेंसियां साजिशकर्ताओं के पूरे मॉड्यूल का परत दर परत खुलासा कर रही है. दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को पहले से ज्यादा मजबूत किया गया है. इसी बीच दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सुरक्षा के मद्देनजर कुछ दिशा निर्देश जारी किए हैं.

एलजी वीके सक्सेना ने हाल ही में लाल किले में हुए आतंकी धमाकों के बाद पुलिस कमिश्नर और चीफ सेक्रेटरी को कई एहतियाती और बचाव के कदम उठाने का निर्देश दिया है. एलजी सेक्रेटेरिएट की तरफ से सीपी और सीएस को अलग-अलग लिखकर भेजे गए मैसेज में पुलिस को ये निर्देश दिए गए हैं. राजभवन की ओर से भेजी गई चिट्ठी में कुछ एहतियात बरतने के निर्देश दिए गए हैं. जारी दिशा निर्देशों के मुताबिक गाड़ियों, खासकर सेकंड हैंड गाड़ियों की बिक्री और खरीद में लगे सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म और फाइनेंसर के साथ कंसल्टेशन एक्सरसाइज की जाए. साफ निर्देश दिए जाने चाहिए कि किसी भी हालत में ऐसी गाड़ियों को चलने की इजाज़त नहीं दी जाएगी ।

पीएम मोदी जी20 समिट में शामिल होने द. अफ्रीका रवाना, बोले- साबित होगा अहम पड़ाव

द. अफ्रीका पहुंचे मोदी, ग्रैंड वेलकम में जमीन पर लेटकर किया गया प्रणाम

नईदिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ऐसे शख्स से मिलने पहुंचे हैं जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप बार-बार धमकियां दे रहे हैं। यह शख्स पीएम मोदी और पुतिन के खास दोस्त हैं। उभरती हुई अर्थव्यवस्था के राष्ट्रपति हैं और पश्चिमी देशों को टक्कर देने वाले ब्रिक्स समूह का हिस्सा हैं। हम जिस शख्स की बात कर रहे हैं वह दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफ्रोसा हैं। दरअसल पीएम मोदी दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफ्रोसा से मिलने और दक्षिण अफ्रीका में हो रही जी20 बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे हैं।

यह बैठक दक्षिण अफ्रीका और सिरिल रामाफ्रोसा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। क्योंकि इतिहास में पहली बार अफ्रीकी महाद्वीप के किसी देश में दुनिया की 20 सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाएं बैठक कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में आयोजित जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए शुक्रवार को जोहान्सबर्ग पहुँचे। वे गौतेंग स्थित वाटरलूफ़ वायु सेना अड्डे पर उतरे, जहाँ उनका पारंपरिक स्वागत किया गया और कलाकारों ने सांस्कृतिक गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। यह अफ्रीका में आयोजित होने वाला पहला जी20 शिखर सम्मेलन है। अफ्रीकी संघ 2023 में भारत की अध्यक्षता के दौरान जी20 में शामिल हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के जोहांसबर्ग में होने वाले जी20 समिट में शामिल होने के लिए रवाना हुए, जहां वे भारत और ग्लोबल साउथ से जुड़े खास मुद्दों पर चर्चा करेंगे. बता दें, दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी में यह समिट 21 से 23 नवंबर 2025 तक आयोजित होगा. इस समिट की खास बात यह है कि पहली बार जी20 सम्मेलन अफ्रीकी महाद्वीप में आयोजित किया जा रहा है. यह समिट ग्लोबल साउथ द्वारा होस्ट की गई लगातार चौथी जी20 मीटिंग है, इससे पहले इंडोनेशिया, भारत और ब्राजील ने यह समिट आयोजित की थी. साउथ अफ्रीका से पहले, जी20 प्रेसीडेंसी ब्राजील (2024), भारत (2023) और इंडोनेशिया (2022) के पास थी. जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के आमंत्रण पर इस समिट में शामिल हो रहे हैं.

दुबई में एयर शो के दौरान तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत

नईदिल्ली,। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई में एयर शो के दौरान शुक्रवार को एक तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट की मौत हो गई है। हादसा दुबई वर्ल्ड सेंट्रल स्थित अल-मकतूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दोपहर 2:10 बजे हुआ था। घटना के समय हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) का तेजस विमान दर्शकों के लिए उड़ान प्रदर्शन कर रहा था, तभी वह जमीन पर गिर गया और घना धुआं छा गया। घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं।

नीतीश कैबिनेट में विभागों का बंटवारा, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को मिला गृह विभाग

एजेंसी

पटना, संवाददाता। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कैबिनेट में विभागों का बंटवारा हो गया है। इस बार गृह विभाग भाजपा के खाते में गया है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी गृह मंत्री बनाए गए हैं। यह पिछले 20 सालों में पहली बार है, जब नीतीश के पास गृह विभाग नहीं हैं। सम्राट को गृह मंत्री बनाए जाने की चर्चा काफी समय से चल रही थी। शुक्रवार को 18 मंत्रियों को विभाग सौंपे गए हैं। इसकी सूची राज्यपाल को दे दी गई है।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को भूमि और राजस्व के साथ खानन और भू-तत्व विभाग दिया गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को कैबिनेट में उद्योग विभाग मिला है। मंगल पांडे को स्वास्थ्य और कानून विभाग

दिया गया है। श्रेयसी सिंह को सूचना विभाग और खेल विभाग मिला है। श्रेयसी पहली बार मंत्री बनी हैं और राष्ट्रमंडल खेलों में शूटिंग में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। वे पूर्व केंद्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह के बेटी हैं।

बताया जाता है कि गृह मंत्रालय को लेकर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और भाजपा में खींचतान चल रही थी। जदयू के 2 वरिष्ठ नेताओं ने इस संबंध में दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात भी की थी। अंत में ये विभाग भाजपा के पास गया है। नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री रहते हुए ऐसा पहली बार हुआ है, जब उनके पास गृह विभाग नहीं है। नीतीश ने हर बार मुख्यमंत्री रहते हुए ये विभाग अपने पास रखा है।

नितीन नवीन को पथ निर्माण और नगर विकास एवं आवास विभाग, रामकृपाल यादव को कृषि विभाग, संजय टाइगर को श्रम संसाधन विभाग, अरूण शंकर प्रसाद को पर्यटन विभाग, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, सुरेन्द्र मेहता को पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, नारायण प्रसाद को आपदा प्रबंधन विभाग, रमा निषाद को पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, लखेन्द्र पासवान को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग और प्रमोद चंद्रवंशी सहकारिता और पर्यावरण-वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग मिला है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा - रामविलास) को गन्ना उद्योग विभाग और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग मिला है। हिंदुस्तान अवाम मोर्चा (हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सुमन को लघु जल संसाधन विभाग मिला है। वे पहले भी यही विभाग संभाल रहे थे।

दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 8 गिरफ्तार, मास्टरमाइंड फरार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने दक्षिणी दिल्ली के सतबरी गांव में चल रहे एक अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर आठ लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक महिला भी है. यह कॉल सेंटर एक आवासीय इमारत में चलाया जा रहा था. इनका टारगेट विदेशी नागरिक हुआ करते थे. जहां से वीओआईपी आधारित कॉलिंग सेटअप, विदेशी डेटाबेस के माध्यम से धोखाधड़ी की जा रही थी. पुलिस के अनुसार यह पूरा रैकेट सानू नाम के एक वांछित अपराधी द्वारा संचालित किया जा रहा था, जो अवैध गतिविधियों में पहले भी शामिल रहा है. छापेमारी से ठीक पहले सानू मौके से फरार हो गया. उसे पकड़ने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है।

अमृतसर से काबुल के बीच शुरू होगी मालवाहक उड़ान

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की 5 दिवसीय यात्रा पर आए अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के वाणिज्य मंत्री अल-हज नूरुद्दीन अजीजी ने संबधों में सुधार की नई पहल की है। उन्होंने शुक्रवार को घोषणा की कि जल्द ही दोनों देशों के बीच मालवाहक उड़ान सेवाएं शुरू हो जाएंगी। इसकी पुष्टि करते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारी आनंद प्रकाश ने कहा कि काबुल से दिल्ली और काबुल से अमृतसर के बीच मार्गों पर हवाई माल ढुलाई गलियारा फिर से चालू कर दिया गया है।

प्रकाश ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि काबुल-दिल्ली सेक्टर और काबुल-अमृतसर मार्गों पर हवाई माल ढुलाई गलियारा फिर से चालू कर दिया गया है और इन सेक्टरों पर मालवाहक उड़ानें बहुत जल्द शुरू होंगी। भारत-अफगानिस्तान के इस कदम से प्रत्यक्ष व्यापार संपर्क के पुनरुद्धार का संकेत मिला है, जो हाल में ठप हो गया था। अब दोनों देशों के बीच माल की सुगम आवाजाही और

वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। अजीजी का दौरा 19 नवंबर से शुरू होकर 5 दिन तक चलेगा। इस दौरान वे अपने भारतीय समकक्ष पीयूष गोयल, अन्य अधिकारियों और व्यापारिक समुदाय से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों देशों में व्यापारिक सहयोग बढ़ाने, एयर कार्गो और चाबहार पोर्ट के उपयोग को लेकर चर्चा होगी। अफगानिस्तान का लक्ष्य भारत के साथ व्यापार को वर्तमान के 900 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 2-3 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाना है।

देश | पुलिस ने इस संबंध में कलमाबाद पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज

एलओसी के पास आतंकी साजिश का भंडाफोड़, हंदवाड़ा के जंगलों से हथियार बरामद

लोकशक्ति

श्रीनगर, संवाददाता।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में स्थित हंदवाड़ा में शुक्रवार को एक बड़ी आतंकी साजिश का भंडाफोड़ हुआ है। यहां के नौगाम सेक्टर में जंगलों से हथियारों को जखीरा बरामद किया गया है। हंदवाड़ा पुलिस और भारतीय सेना की नौगाम ब्रिगेड ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास खुस सूचना के आधार पर नीरियां जंगल क्षेत्र में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया था। पुलिस ने इस संबंध में कलमाबाद पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की है।

सुरक्षा बलों ने यहां से 4 मैगजीन के साथ 2 एम-सीरीज असॉल्ट राइफल, 3 मैगजीन के साथ 2 चीनी पिस्तौल, 2 हैंड

ग्रेनेड और जिंदा राउंड बरामद किए गए। सुरक्षा की दृष्टि से आसपास के इलाकों में छानबीन शुरू कर दी गई है। हथियार और गोला-बारूद यहां कैसे पहुंचे, इसका पता लगाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि उसने इस संबंध में नौगाम सेक्टर में लोगों से पूछताछ भी की है। जांच जारी है।

दूसरी तरफ, दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को कार में हुए विस्फोट के मामले में भी जांच चल रही है। इसके तहत शुक्रवार को हंदवाड़ा के राजकीय मेडिकल कॉलेज में लॉकर की चेकिंग की गई और डॉक्टरों-स्टाफ का सत्यापन किया गया। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों मेडिकल संस्थान में बिना इजाजत कई सामान लाया गया था, जिसके बाद सुरक्षा उपाय सख्त किए गए हैं।

यूक्रेन को नाटो सदस्यता नहीं, रूस की जी-7 में वापसी; ट्रंप के शांति प्रस्ताव में बड़ी बातें

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि वे पद संभालने के कुछ ही दिनों के भीतर रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कर देंगे। हालांकि, कई बैठकों के बाद अभी तक युद्ध खत्म नहीं हुआ है। अब ट्रंप ने शांति लाने के लिए 28 सूत्रीय प्रस्ताव पेश किया है, जिसे यूक्रेन और रूस के साथ चर्चा के बाद बनाया गया है। आइए जानते हैं ट्रंप के इस प्रस्ताव में क्या-क्या है।

प्रस्ताव में कहा गया है कि यूक्रेन की संप्रभुता की रक्षा की जाएगी। रूस, यूक्रेन और यूरोप के बीच एक व्यापक समझौता होगा और बीते 30 साल के सभी विवादों को सुलझा हुआ माना जाएगा। वैश्विक सुरक्षा सुनिश्चित करने और सहयोग को बढ़ाने के लिए अमेरिका की मध्यस्थता में रूस और नाटो के बीच वार्ता होगी। यूक्रेन को विश्वसनीय

सुरक्षा गारंटी प्राप्त होगी। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि यह अमेरिका की ओर से स्पष्ट सुरक्षा गारंटी होगी।

प्रस्ताव के मुताबिक, यूक्रेन अपने संविधान में यह प्रावधान करने पर सहमत हुआ है कि वह नाटो में शामिल नहीं होगा। नाटो भी अपने संविधान में यह प्रावधान शामिल करेगा कि यूक्रेन को भविष्य में इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही नाटो देश यूक्रेन में कभी भी सैनिक तैनात नहीं करेंगे। प्रस्ताव का ये बिंदू बेहद अहम है, क्योंकि व्लादिमीर पुतिन लंबे समय से ये मांग करते रहे हैं।

युद्ध से बर्बाद हुए यूक्रेन को पुनर्निर्माण के लिए पैकेज मिलेगा। इसमें प्रौद्योगिकी, डेटा सेंटर और एआई सहित तेजी से बढ़ते उद्योगों में निवेश करने के लिए विकास कोष का निर्माण, पाइपलाइनों और भंडारण सुविधाओं सहित यूक्रेन की गैस अवसंरचना का पुनर्निर्माण शामिल है। इसके अलावा शहरों और आवासीय क्षेत्रों की बहाली, पुनर्निर्माण और आधुनिकीकरण के लिए युद्ध प्रभावित क्षेत्रों का पुनर्वास। इसके लिए विश्व बैंक एक विशेष वित्तपोषण पैकेज विकसित करेगा। प्रस्ताव के तहत, रूस को वैश्विक अर्थव्यवस्था में पुनः एकीकृत किया जाएगा और प्रतिबंध हटाए जाएंगे। इसके लिए चरणबद्ध तरीके से हर मुद्दे पर चर्चा की जाएगी और सहमति बनाई जाएगी। इसके अलावा रूस को जी-7 में शामिल किया जाएगा। रूस पहले भी इस समूह का हिस्सा था, लेकिन 2014 में क्रीमिया पर हमले के बाद रूस को समूह से निकाल दिया गया था। दोबारा समूह में आने से रूस को वैश्विक मान्यता मिलेगी।

क्रीमिया, लुहान्स्क और डोनेट्स्क को अमेरिका सहित सभी देशों द्वारा रूसी क्षेत्र के रूप में मान्यता दी जाएगी। खेरसॉन और जापोरीज्जिया में जहां अभी जिसकी सेनाएं हैं, उसे वास्तविक मान्यता दी जाएगी। रूस इन 5 क्षेत्रों के बाहर अपने नियंत्रण वाले अन्य क्षेत्रों को छोड़ देगा। यूक्रेनी सेनाएं डोनेट्स्क ओब्लास्ट के उस हिस्से से हटेंगी, जहां फिलहाल उसका कब्जा है। इस क्षेत्र को बफर जोन माना जाएगा। फिलहाल इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रूस के स्वामित्व वाला क्षेत्र माना जाता है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि वह इस मामले पर ट्रंप के साथ बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा, ÷मैं आने वाले दिनों में अपने अमेरिकी समकक्ष से मौजूदा राजनयिक अवसरों और शांति के लिए आवश्यक मुख्य बिंदुओं के बारे में बात करूंगा। यूक्रेन को शांति की जरूरत है और यूक्रेन हर संभव प्रयास करेगा, ताकि दुनिया में कोई यह न कह सके कि हम कूटनीति को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

ब्राजील में सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल पर लगी भीषण आग, अफरा-तफरी मची

ब्रासीलिया, एजेंसी

ब्राजील के बेलेम में जहां सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन होना है, वहां शुक्रवार को भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद आयोजन स्थल के कुछ हिस्सों को तुरंत खाली कराया गया है। आग हैंगर कन्वेंशन सेंटर के एक हिस्से में लगी थी। यहां कुछ दिन में संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन होना है। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन हादसे ने विशाल अंतरराष्ट्रीय आयोजन की सुरक्षा और तैयारियों को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दीं हैं। स्थानीय अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग परिसर के तकनीकी या भंडारण खंड लगी थी, जहां तैयारी का काम चल रहा था। टीमों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया और लगभग एक घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया, जिससे मुख्य सम्मेलन हॉल को कोई बड़ा संरचनात्मक नुकसान नहीं हुआ। सरकार ने घटना के कारणों की तत्काल जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। हालांकि, प्रारंभिक रिपोर्ट में निर्माण कार्य से संबंधित चूक बताई जा रही है।

MSME टेक्नोलॉजी सेंटर का अध्ययन दौरा –

युवाओं के कौशल विकास को मिलेगी नई दिशा

राजनांदगांव, संवाददाता

राजनांदगांव लोकसभा के पूर्व सांसद एवं युवाओं के प्रेरणास्रोत माननीय अभिषेक सिंह के विशेष निर्देश और मार्गदर्शन में भाजपा पश्चिम मंडल की टीम ने बोराई-दुर्ग स्थित MSME Technology Training & Skill Development Centre का निरीक्षण एवं अध्ययन दौरा किया।

अध्ययन यात्रा में मंडल अध्यक्ष मनोज साहू, मंडल उपाध्यक्ष पप्पू चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष राजनांदगांव श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मधु सुकृत साहू, जनपद उपाध्यक्ष अनीता सिन्हा, तथा मीडिया प्रभारी देवल साहू मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरे में आकाश, बसंत और अभिनव भी साथ में मौजूद रहे।

दौरे का मुख्य उद्देश्य

क्षेत्र के युवाओं को आधुनिक तकनीकी शिक्षा, कौशल आधारित प्रशिक्षण और रोज़गार उन्मुख अवसरों से जोड़ने के लिए आवश्यक जानकारी एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन करना था।

?? तकनीकी सुविधाओं का अवलोकन

प्रतिनिधि मंडल ने सेंटर में उपलब्ध अत्याधुनिक तकनीकी संसाधनों को देखा, जिनमें शामिल हैं–

हाई-टेक तकनीकी लैब

ष्टह्ष्ट, ड्क्स्ष्ट, ह्ल्शष्ट्ठ जैसी उन्नत मशीनें

इलेक्ट्रिकल, प्लंबिंग, वेल्डिंग एवं ऑटोमोबाइल प्रशिक्षण

इंडस्ट्रियल मशीनों का लाइव डेमो

आधुनिक प्रशिक्षण मॉड्यूल एवं क्लासरूम व्यवस्था सेंटर के विशेषज्ञों ने बताया कि स्स्ह्य द्वारा संचालित कोर्स देशङ्कविदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार दिलाने में बेहद सहायक हैं। अब तक हजारों युवा यहाँ प्रशिक्षण लेकर सफल करियर बना चुके हैं।

युवाओं के लिए संकल्प

टीम ने क्षेत्र के युवाओं के हित में निम्न संकल्प लिए– ग्रामीण एवं शहरी युवाओं तक आधुनिक तकनीकी शिक्षा पहुँचाना योग्य युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण से जोड़ना ÷हर परिवार का एक युवा आत्मनिर्भर बने÷ इस लक्ष्य की दिशा में संगठित प्रयास करना

आभार

टीम ने इस प्रेरणादायी पहल के लिए माननीय अभिषेक सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही पश्चिम मंडल के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, पदाधिकारियों तथा सभी सहयोगियों की सक्रियता से यह अध्ययन दौरा अत्यंत सफल रहा।यह जानकारी भाजपा पश्चिम मंडल राजनांदगांव (ग्रामीण)

ग्राम पंचायत करमरी में मितानिनों को गुलाल लगाकर व साड़ी भेंटकर किया सम्मानित

राजनांदगांव/खुज्जी। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत करमरी में मितानिन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत करमरी के सरपंच श्री दीनदयाल साहू रहे।

कार्यक्रम के दौरान मितानिन बहनों अम्बा बाई, बंसती बाई, भुनेश्वरी बाई, प्रेरक हीना बाई, तामेश्वरी साहू, डोमिन सिप्पी, शिवबती भुआर्य सहित अन्य मितानिनों को गुलाल लगाकर एवं साड़ी भेंटकर सम्मानित किया गया।

सरपंच दीनदयाल साहू ने कहा–

÷मितानिन बहनें हमारे गांव की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं। गर्भवती माताओं की देखभाल, बच्चों के टीकाकरण, बीमारों को सलाह और हर संकट के समय सबसे पहले सेवा करने का कार्य वे ही करती हैं। इनके समर्पण के कारण ही गांव की स्वास्थ्य व्यवस्था सुदृढ़ है।÷

उन्होंने यह भी कहा कि ग्राम पंचायत स्वास्थ्य गतिविधियों में मितानिन बहनों के साथ हर कदम पर सहयोग करती रहेगी।

पंच एवं जनप्रतिनिधि उपस्थितः

दीनदयाल साहू (सरपंच), विरेन्द्र कुमार (उपसरपंच), श्रीमती फुलवंतीन बाई (पंच), श्रीमती मनीषा निर्मलकर (पंच), श्रीमती टामिन बाई, श्री सुरेन्द्र कुमार, श्री तीजू राम, श्रीमती ललीता बाई, श्री जनकलाल आइमला, श्रीमती शिवबती भुआर्य, श्रीमती डोमिन सिप्पी, श्रीमती तामेश्वरी साहू आदि।

कार्यक्रम में ग्रामीणजन, महिलाएँ और पंचायत प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुमरदा में प्रेरणादायी व्याख्याता तुलेराम पिस्दा का भावपूर्ण विदाई समारोह

राजनांदगांव।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुमरदा में शुक्रवार का दिन भावनाओं से परिपूर्ण रहा, जब शिक्षा जगत के प्रेरणास्रोत व्याख्याता आदरणीय श्री तुलेराम पिस्दा को उनके सेवानिवृत्ति अवसर पर स्नेहिल एवं भव्य कार्यक्रम में सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। विद्यालय परिसर छात्रों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की गरिमामयी उपस्थिति से खचाखच भरा रहा, जिसने इस अवसर को विशेष और अविस्मरणीय बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने की। उन्होंने भावनात्मक शब्दों में कहा– ÷जहां सेवा हो, वहां विदाई नहीं होती। एक शिक्षक केवल किताबें नहीं पढ़ाता, बल्कि पीढ़ियों का भविष्य गढ़ता है। पिस्दा सर का योगदान इस क्षेत्र की अमूल्य धरोहर है, जिसकी ऊष्मा आने वाले समय तक विद्यार्थियों के जीवन को प्रकाशित करती रहेगी।÷

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जिला पंचायत सभापति श्री गोपाल भुआर्य ने कहा कि पिस्दा सर ने शिक्षा को एक तपस्या की तरह जिया है। उनके द्वारा विद्यार्थियों में बोए गए संस्कार, अनुशासन और आत्मविश्वास ही उनकी सबसे बड़ी पहचान हैं।

समारोह में विद्यालय परिवार, संकुल केंद्र कुमरदा, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, पूर्व विद्यार्थी और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कई पूर्व छात्रों ने मंच से अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पिस्दा सर ने उन्हें केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन के मूल्य, अनुशासन और व्यवहारिक सीख भी दी।

अपने संबोधन में सम्मानित व्याख्याता श्री तुलेराम पिस्दा भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि– ÷यह विद्यालय मेरे लिए केवल कार्यस्थल नहीं, बल्कि मेरा परिवार रहा है। विद्यार्थियों का स्नेह, अभिभावकों का विश्वास और साथियों का सहयोग ही मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस सम्मान को मैं जीवनभर याद रखूंगा।÷

कार्यक्रम के दौरान कांति लाल साहू ग्राम पटेल, गन्नू कोलियारे, दिनेश ठाकुर पूर्व सरपंच, लक्ष्मी नारायण साहू, पिताम्बर रावटे, योगेन्द्र सिंह राजपूत, लक्ष्मण पिस्दा, हकीम खान, विरेन्द्र कुमार साहू, संकुल प्राचार्य मिलापदास साहू, पी.डी. साहू, विरेन्द्र वैष्णव, राम पटेल, वी.के. साहू, व्याख्याता बसंत कुमार यादव सहित शिक्षक-शिक्षिकाएँ, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आनंद ही जीवन का लक्ष्य विषय पर दार्शनिक प्रवचन – गीता घासी साहू हुई शामिल

राजनांदगांव /बालोद।

लोकशक्ति । संवाददाता। सरदार वल्लभभाई पटेल मैदान, घड़ी चौक में आयोजित जगद्गुरु स्वामी श्री कृपालु जी महाराज की समन्वयात्मक विलक्षण धारावाहिक दार्शनिक प्रवचन श्रृंखला ÷आनंद ही जीवन का लक्ष्य÷ का आयोजन 7 से 26 नवम्बर 2025 तक प्रतिदिन शाम 6:00 से 8:30 बजे तक किया जा रहा है। डॉ. स्वामी युगल शरण जी महाराज ने अपने उद्बोधन में जीवन में आनंद के वास्तविक स्वरूप, आध्यात्मिक मार्गदर्शन और मानव कल्याण की दृष्टि से गहन व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं ने बड़ी श्रद्धा से सुना। इस अवसर पर राजनांदगांव जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू ने विशेष रूप से पहुंचकर डॉ. स्वामी युगल शरण जी को गुलदस्ता व शाल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रवचन के आध्यात्मिक प्रसंगों का श्रवण किया। कार्यक्रम स्थल पर श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही और वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक भाव से ओतप्रोत रहा।

अयोध्या धाम के लिए दुर्ग से रवाना हुआ 185 श्रद्धालुओं का जत्था

दुर्ग, (आरएनएस)। राज्य सरकार की 'श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) योजना' के अंतर्गत आज दुर्ग रेलवे स्टेशन से 185 श्रद्धालुओं का जत्था विशेष ट्रेन द्वारा अयोध्या के लिए रवाना हुआ। फूल-मालाओं, ढोल-नगाड़ों और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच यात्रियों को ट्रेन में बैठाया गया। स्पेशल ट्रेन को ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, महापौर अलका बाघमार, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन ने हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए रवाना किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए भोजन, ठहरने और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पूर्ण व्यवस्था की है। रामभक्तों में अयोध्या दर्शन को लेकर उत्साह और उमंग दिखाई दी। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि हम पहली बार रामलला के दर्शन करने जा रहे हैं, सरकार ने जो व्यवस्था की है वह बहुत अच्छी है। इस दौरान श्रद्धालुओं को जनसम्पर्क विभाग की मासिक पत्रिका 'छत्तीसगढ़ जनमन' भी भेंट की गई। इस अवसर पर पर नगर निगम आयुक्त सुमीत अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव तथा अन्य जनप्रतिनिधि और रेलवे अधिकारी उपस्थित रहे।

खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जोशीलमती धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया गीता घासी साहू ने

राजनांदगांव।

राजनांदगांव जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू ने खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जोशीलमती धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण करते हुए खरीदी व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। केंद्र में पहुंचे किसानों से चर्चा कर उन्होंने खरीदी प्रक्रिया में आ रही दिक्कतों को सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान श्रीमती साहू ने कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, यह प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है। धान खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सुचारू और समयबद्ध ढंग से संचालित हो, इसके लिए सतत निगरानी आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार की अव्यवस्था, लापरवाही या तकनीकी समस्या पाई जाती है तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने किसानों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर त्वरित समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि अन्नदाताओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और खरीदी केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएंगी।

किसानों ने पूर्व अध्यक्ष के दौरे का स्वागत किया और अपने विचार भी उनके समक्ष रखे। इस मौके पर जिला किसान मोर्चा महामंत्री घासीराम साहू कोमल साहू एवं किसान भाई बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

अंबागढ़ चौकी मतदाता सूची विशेष गहन पुनर्निरक्षण कार्य (SIR) का व्यापक अभियान

राजनांदगांव। अंबागढ़ चौकी भाजपा मंडल द्वारा आज व्यापक अभियान चलाया गया। मंडल स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बूथों पर पहुंचकर मतदाता सूची के अद्यतन, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने तथा त्रुटि सुधार की प्रक्रिया का सतर्कता से निरीक्षण करते देखे गए।

मंडल द्वारा चलाए जा रहे इस SIR अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो तथा छूटे हुए नामों को तत्काल जोड़ा जाए। बीएलओ और बीएलए टीमों के साथ समन्वय कर मंडल पदाधिकारियों ने पुनर्निरीक्षण की प्रगति रिपोर्ट भी तैयार की।

भाजपा मंडलअध्यक्ष आशीष द्विवेदी ने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ बूथ स्तर पर पहुंचकर अपना नाम जांचें और जिनका नाम सूची में नहीं है, वे निर्धारित प्रपत्र भरकर पंजीयन अवश्य कराएं।

मंडल अध्यक्ष आशीष द्विवेदी* ने कहा कि यह अभियान लोकतंत्र की मजबूती का मूल आधार है और इसे सफल बनाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान में जिला पंचायत सदस्य नेहरू रजक महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कमलेश सारस्वत जनपद अध्यक्ष पुनऊ फुलकौरे मंडल उपाध्यक्ष तीजन मानिकपुरी सहित बीएलए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे।

1998-2003 तक नियुक्त शिक्षाकर्मियों की पुरानी सेवा अब होगी मान्य, पुराने पेंशन नियम 1976 के तहत मिलेगा लाभ

संवाददाता

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 30 अक्टूबर 2025 को जारी आदेश से हजारों शिक्षा कर्मियों के लिए एक बड़ी सौगात सामने आई है। आदेश के अनुसार 1998 से 2003 के बीच नियुक्त शिक्षाकर्मियों की सेवा अवधि की अब पुरानी पेंशन नियम 1976 के तहत गणना की जाएगी।

इससे सेवानिवृत्ति के बाद संबंधित शिक्षक को सेवानिवृत्ति माह के मूल वेतन का 50त्न आजीवन पेंशन के रूप में प्राप्त होगा।

इस महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी शालेय शिक्षक संघ छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं राजनांदगांव जिला उपाध्यक्ष सुशील शर्मा ने एक जारी विज्ञप्ति में दी।

1995ङ्क1997 का कठिन दौर–तीन वर्गों का मानदेय और अनिश्चित भुगतान

श्री शर्मा ने अपने संघर्षपूर्ण शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि–

वर्ग-3, वर्ग-2 और वर्ग-1 के शिक्षाकर्मियों को मात्र 500, 700 और 1000 रुपये मासिक मानदेय मिलता था।

वर्ष में केवल दो बार, दीपावली और होली पर ही भुगतान मिलता था।

कई बार पंचायत में अलॉटमेंट न होने के कारण त्योहारों में भी मानदेय नहीं मिलता था।

छुट्टी का कोई प्रावधान नहीं था और मईङ्कजून में मानदेय रोक दिया जाता था।

उन्होंने कहा कि 1998 में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद मानदेय व्यवस्था समाप्त कर शिक्षाकर्मियों को फिक्स बेसिक वेतन 800 रुपये + 182त्न महंगाई भत्ता दिया जाना एक ऐतिहासिक उपलब्धि रही।

आंदोलनों से बना अधिकारों का रास्ता

1998 से 2011 तक छोटी-बड़ी मांगों के लिए लगातार सड़क पर उतरना पड़ा।

2012 में 38 दिन की हड़ताल के बाद 6वें वेतनमान के समान वेतन मिला।

2018 की 18 दिन की अनिश्चितकालीन हड़ताल के बाद शिक्षाकर्मियों का संविलियन हुआ। हालांकि संविलियन के दौरान 1995ङ्क98 के शिक्षाकर्मियों की 23 वर्ष की सेवा को शून्य कर, उन्हें शिक्षक एल.बी. संवर्ग नामक अलग कैडर में शामिल किया गया, जो आज भी उनके साथ अन्याय माना जाता है।

अब पेंशन बहाली की उम्मीद हुई मजबूत

नवीन आदेश से 1998ङ्क2003 के शिक्षाकर्मियों की पुरानी सेवा शामिल होने से पेंशन का रास्ता साफहुआ है और इससे शिक्षकों में उत्साह का माहौल है।

पुरानी पेंशन लाभ सभी को देने की मांग

जिला उपाध्यक्ष सुशील शर्मा ने शासन से मांग की है कि– ÷शिक्षक एल.बी. संवर्ग के सभी शिक्षकों की नियुक्ति तिथि से सेवा गणना कर उन्हें पूर्ण रूप से पुरानी पेंशन प्रदान की जाए।÷

भीमचंद का धान बेचने के लिए कटा टोकन

धान खरीदी केंद्र में किसानों के लिए माइक्रो एटीएम की भी सुविधा

जशपुरनगर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जशपुर जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों में धान खरीदी कार्य सुचारू और व्यवस्थित रूप से संचालित हो रहा है। इसी क्रम में कुनकुरी धान खरीदी केंद्र पहुँचे ग्रामवासी किसान श्री भीमचंद लकड़ा ने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने बताया कि वे प्रति वर्ष इसी केंद्र में धान बेचते हैं और इस वर्ष भी सभी व्यवस्थाएँ सुव्यवस्थित हैं। उन्होंने कहा कि ÷आज मैं ऑनलाइन टोकन कटाने आया था और मुझे बिना किसी कठिनाई के टोकन प्राप्त हो गया। अब निर्धारित तिथि को मैं धान लेकर आऊँगा।÷

श्री लकड़ा ने यह भी बताया कि केंद्र में शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई माइक्रो एटीएम सुविधा अत्यंत उपयोगी है। इससे किसान आवश्यकता अनुसार तुरंत राशि प्राप्त कर अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं। यह व्यवस्था किसानों, विशेषकर छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों के लिए अत्यंत राहतकारी सिद्ध हो रही है।

धान खरीदी केंद्र के प्रबंधक श्री संतोष गुप्ता ने बताया कि केंद्र में शासन के सभी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। इसमें टोकन जारी करने की ऑनलाइन व्यवस्था, माइक्रो एटीएम सुविधा, बारदाना उपलब्धता, पेयजल सहित सभी आवश्यक सुविधाएँ किसानों के लिए उपलब्ध कराई गई हैं। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि प्रत्येक किसान को धान खरीदी प्रक्रिया सहज, पारदर्शी और समयबद्ध रूप से उपलब्ध हो, जिसके लिए प्रशासनिक अमला सतत निगरानी कर रहा है।

क्या है माइक्रो एटीएम सुविधा?

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों की सुविधा हेतु धान उपार्जन केंद्रों में माइक्रो एटीएम सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसके माध्यम से किसान 2,000 रुपये से 10,000 रुपये तक की राशि तुरंत प्राप्त कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड जारी,

5 जिलों में शीतलहर अलर्ट, अंबिकापुर में टूटा 10 साल का रिकॉर्ड

0 छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिनों में न्यूनतम तापमान में वृद्धि की संभावना

रायपुर, संवाददाता।

अंबिकापुर में 7.3 प्रतिशत तक गिरा तापमान, जो 10 साल में सबसे कम है। सरगुजा-बिलासपुर संभाग के 5 जिलों में शीतलहर का यलो अलर्ट जारी है। रायगढ़ में अलाव की व्यवस्था की गई है।

छत्तीसगढ़ में बीते तीन दिनों से ठंड लगातार बढ़ रही है। प्रदेश का मौसम शुष्क होने के बावजूद उत्तर भारत से आ रहीं बर्फीली हवाओं ने रात के तापमान में बड़ी गिरावट ला दी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों में न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री तक क्रमिक वृद्धि संभव है, हालांकि फिलहाल उत्तर और मध्य क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड जारी रहेगी।

छत्तीसगढ़ में लोगों को ठंड से हल्की राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों में न्यूनतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि की संभावना जताई है। फिलहाल सरगुजा संभाग के एक दो जिलों में शीतलहर के हालत बने हुए हैं, जिसका असर आने वाले दिनों में कम हो सकता है। राज्य में आने वाली हवा की दिशा पूर्वी हो गई है, जो नमी लिए हुए है। इसका सीधा असर राज्य के न्यूनतम यानी रात के तापमान में हुआ है।

पिछले चौबीस घंटे के दौरान, प्रदेश में सबसे ज्यादा तापमान दुर्ग में 30 डिग्री सेल्सियस, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। साथ ही न्यूनतम तापमान माना में 12.2 डिग्री, बिलासपुर में 13.3 डिग्री, पेंड्रा में 10.8 डिग्री, जगदलपुर में 10.9 डिग्री और दुर्ग मे 11 डिग्री दर्ज किया गया। दो दिन बाद भी मौसम शुष्क रह सकता है।

शीतलहर, स्कूलों के समय में हो सकता है बदलाव

छत्तीसगढ़ में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इस बीच स्कूली बच्चों को शीतलहर से बचाव के लिए लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी को दिशा निर्देश जारी किए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग, नगरीय निकाय, मौसम विभाग, लोक निर्माण विभाग, श्रम विभाग, पर्यटन विभाग और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए अलग-अलग निर्देश दिए गए हैं। जारी पत्र में शिक्षा विभाग के लिए कहा गया है कि भारतीय मौसम विज्ञान द्वारा शीतलहर से संबंधित दी गई चेतावनी अनुसार विधिवत स्कूल एवं शैक्षणिक संस्थानों को खोलने के समय में परिवर्तन करने के लिए आवश्यक आदेश जारी किया जाए।

छत्तीसगढ़ में बीते तीन दिनों से ठंड लगातार बढ़ रही है। प्रदेश का मौसम शुष्क होने के बावजूद उत्तर भारत से आ रहीं बर्फीली हवाओं ने रात के तापमान में बड़ी गिरावट ला दी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 5 दिनों में न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री तक क्रमिक वृद्धि संभव है, हालांकि फिलहाल उत्तर और मध्य क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड जारी रहेगी।

सरगुजा-बिलासपुर समेत 5 जिलों में यलो अलर्ट

सरगुजा, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के कई पॉकेट्स में शीतलहर चल रही है। कोरिया, सूरजपुर, मनेंद्रगढ़, जशपुर और बिलासपुर जिलों के लिए मौसम विभाग ने विशेष कोल्ड वेव अलर्ट जारी किया है। सुबह और देर शाम बर्फीली हवाओं के कारण बाजारों में गर्म कपड़ों की मांग अचानक बढ़ गई है। रायगढ़ में भी सुबह-शाम कड़ाके की ठंड पड़ रही है। शहर में लोगों को राहत देने के लिए निगम ने 9 स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की है, जिनमें मेडिकल कॉलेज, रेलवे स्टेशन, रामनिवास टॉकीज चौक और केवड़ा बाड़ी बस स्टैंड शामिल हैं।

राजधानी में 22 नवम्बर को जल प्रदाय रहेगी प्रभावित

भाठागांव, चंगोराभाठा, कुशालपुर, डी.डी. नगर, ईदगाहभाठा, सरोना, टाटीबंध, कोटा, कबीर नगर, जरवाय, गोगांव, मठपुरैना, लालपुर, अमलीडीह, अवंति विहार, मण्डी, मोवा, सडडू, दलदल सिवनी, रामनगर, कचना, आमासिवनी, देवपुरी, बोरियाखुर्द, जोरा, भनपुरी नया, रायपुरा, कुकुरबेड़ा की टंकियां रहेगी सुखी

रायपुर, संवाददाता

। नगर पालिक निगम रायपुर के जल कार्य विभाग के कार्यपालन अभियंता फि ल्टरप्लांट श्री नर सिंह फरेन्द्र ने जानकारी दी है कि 150 एमएलडी प्लांट के रॉ वाटर 1400 एम एम व्यास की एच.एस. राईजिंग पाईप लाईन की भाठागांव मुख्य मार्ग में गणेश ट्रेडर्स के पास लीकेज मरम्मत हेतु 8 घंटे का शटडाउन दिनांक 21 नवम्बर 2025 शुक्रवार को लिया जाना है। उक्त रिपेयरिंग कार्य करने के कारण 150 एम.एल.डी. प्लांट से भरने वाली टंकियों भाठागांव, चंगोराभाठा, कुशालपुर, डी.डी. नगर, ईदगाहभाठा, सरोना, टाटीबंध, कोटा, कबीर नगर, जरवाय, गोगांव, मठपुरैना, लालपुर, अमलीडीह, अवंति विहार, मण्डी, मोवा, सडडू, दलदल सिवनी, रामनगर, कचना, आमासिवनी, देवपुरी, बोरियाखुर्द, जोरा, भनपुरी नया, रायपुरा, कुकुरबेड़ा एवं नया 80 एम.एल.डी. प्लांट से भरने वाली टंकियों बैरन बाजार नया, देवेन्द्र नगर नया, संजय नगर एवं मोतीबाग टंकी से दिनांक 21 नवम्बर 2025 को सुबह जलप्रदाय होने के पश्चात् शाम को जलप्रदाय नही होगा। दिनांक 22 नवम्बर.2025 को जलप्रदाय नियमित रूप से होगा। उपरोक्त के अलावा रायपुर शहर में स्थित अन्य जलागारों एवं पावर पंपों से जलप्रदाय यथावत रहेगा।

एल्डरमेंन की नियुक्ति में विलंब से भाजपा कार्यकर्ताओ में रोष

500 से अधिक एल्डरमेन बनाना होगा सरकार को

भाजपा संगठन द्वारा सूची नहीं मिलने पर सरकार नहीं कर पा रही आदेश

रायपुर, संवाददाता

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के पश्चात अब एल्डरमेन की भर्ती को लेकर सरकार और संगठन आमने-सामने हैं। नगरीय निकाय अधिकारियों के अनुसार यह नियुक्ति राजनीतिक रूप से की जाती है। इस संगठन से नाम जैसे ही स्वीकृत होकर आएगा वैसी ही शासन द्वारा इस विधिवत आदेश जारी कर दिया जाएगा। इससे एल्डरमेन के रूप में 150 से अधिक नगरीय निकायों में 500 से अधिक एल्डरमेन की नियुक्ति की जानी है। नियुक्ति में विलंब होने से कार्यकर्ताओं में रोष है।

नगरीय निकाय विभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में 13 नगर निगम तथा 80 से अधिक नगर पालिका एवं इतनी ही नगर पंचायतें हैं। कुल मिलाकर 180 से अधिक नगर पंचायत हैं। नगरीय निकायों के चुनाव हो चुके सिर्फ भिलाई और रिसाली तथा वीरगांव के चुनाव नहीं हो पाए हैं। शासन द्वारा एल्डरमेन की नियुक्ति की जाती है। सूत्रों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी इस समय सत्ता में हैं। इसलिए भाजपा कार्यकर्ताओं को उपकृत करने के लिए नियुक्ति की जाएगी। जिन कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण पद नहीं मिल पाई है, उन्हें यह पद दिया जाएगा। एल्डरमेंन को विभिन्न निर्माण कार्य स्वीकृत करने की अनुशंसा करने का अधिकार होता है। जिसके तहत वे अनेक काम करवा सकते हैं। इसलिए अब राजनीतिक दल के कार्यकर्ता एल्डरमेंन बनने के लिए प्रयास कर रहे हैं। लेकिन अभी तक यह सूची जारी नहीं हुइ है, जिसके कारण कार्यकर्ताओं में रोष है।

500 से अधिक एल्डरमेन नियुक्त करने की कवायद -

प्रदेश में कुल नगर निगम पालिका तथा पंचायतों की संख्या 200 है। नगर निगम में वार्डों के हिसाब से एल्डरमेन बनाए जाते हैं, जिसके अनुसार प्रत्येक नगर निगम में 9-11 एल्डरमेन बनाए जा सकते हैं। वहीं पालिकाओं में 5 तथा पंचायतों में 3 से अधिक एल्डरमेन की नियुक्ति की जा सकती है। नियुक्ति का आधार सिर्फ पार्टी का समर्पित कार्यकर्ता होना तथा वरिष्ठ नेता होना है। नगरीय निकाय जिन कार्यकर्ताओं ने मेहनत की है, उन्हें पुरस्कार स्वरूप दिया जाता है।

करोड़ों की पाठ्यपुस्तकों के कागज खरीदी, पापुनि हाईकोर्ट की शरण में

खरीदी और मुद्रण का टेण्डर जारी किया गया : अध्यक्ष

रायपुर, लोकशक्ति

छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम में एससीईआरटी के अनुसार मुद्रण हेतु 70 जीएसएम के बदले 80 जीएसएम के उपयोग करने के लिए कागज खरीदी इस समय विवाद का विषय बनती जा रही है। जिसके चलते पाठ्यपुस्तक निगम ने टेण्डर जारी कर दिया है, लेकिन अब हाईकोर्ट में कैबिएट लगा दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम इस समय विवाद का विषय बना हुआ है। निर्धारित समय में पाठ्यपुस्तक निगम की आपूर्ति नहीं हो पाई है, जिसके चलते शिक्षकों ने भी सरकार की आलोचना करना शुरू कर दिया है। इधर पाठ्यपुस्तक निगम ने पाठ्यपुस्तकों के छपाई के लिए कागज की चौड़ाई में बदलाव कर दिया है। इसके पश्चात मुद्रण का भी आदेश दे दिया गया है। निगम के टेण्डर की प्रक्रिया को लेकर आपूर्तिकर्ता कागज मील के मालिकों में रोष है।

मिली जानकारी के अनुसार पहले पाठ्यपुस्तकों का मुद्रण 70 जीएसएम में किया जाता था, अब इसे 80 जीएसएम किए जाने का निर्णय लिया गया है। अब यह निगम पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है इसके औसत 8000 मीट्रिक टन कागज लेना होगा। अधिकारियों के अनुसार कागज का मूल्य लगभग 40 करोड़ रूपए होगा। इसके लिए पाठ्यपुस्तक निगम के द्वारा टेण्डर भी जारी कर दिया गया है। पाठ्यपुस्तक निगम में कागज की आपूर्ति आमलाई, लुधियाना, तथा अन्य प्रदेश के कागज मीलों से की जाती है। पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष भाजपा नेता राजा पाण्डेय ने बताया कि सरकार ने 70 जीएसएम की बजाय 80 जीएसएम में कागज मुद्रण करने का निर्णय लिया है। हाईकोर्ट में इस ठेके के विरूद्ध अन्य ठेकेदारों की संभावना को देखते हुए कैबिएट दायर कर दिया गया है, ताकि ठेके के संबंध में कोई फैसला आने के पहले पाठ्य पुस्तक निगम का पक्ष सुना जाए। पापुनि में कागज खरीदी का टेण्डार जारी कर दिया है, मुद्रण का भी आदेश जारी कर दिया है।

पुस्तकों की कागज की चौड़ाई में बदलाव से निगम चर्चा में

छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा लंबे समय से मुद्रण हेतु उपयोग में लाए जा रहे 70 जीएसएम के कागज में बदलाव कर दिया गया है। अब एनसीईआरटी की तर्ज पर 80 जीएसएम के कागज से स्कूली बच्चों की पाठ्य पुस्तकें छपेंगी। हालांकि जीएसएम बढ़ने से बच्चों के बस्ते का बोझ बढ़ जाएगा। आगामी शिक्षा सत्र में स्कूली बच्चों को समय पर पाठ्य पुस्तकें वितरित करने की तैयारी पापुनि ने प्रारंभ कर दी है। कागज खरीदी के साथ ही मुद्रण हेतु टेंडर जारी कर दिया गया है। गत वर्ष कागज खरीदी और मुद्रण के लिए टेंडर में देरी के चलते ही चालू शिक्षा सत्र में बच्चों को विलंब से पाठ्य पुस्तकें मिली। इस बार पाठ्य पुस्तकें समय पर उपलब्ध कराने की कार्ययोजना पापुनि द्वारा बनाई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पाठ्य पुस्तक के मुद्रण हेतु इस बार 70 के बजाय 80 जीएसएम के कागज का उपयोग किया जाएगा। लंबे समय से 70 जीएसएम कागज से ही पाठ्य पुस्तकों का मुद्रण होता आया है और अभी तक इसको लेकर किसी तरह की दिक्कतें नहीं थी किन्तु इस बार जीएसएम को बढ़ा दिया गया है। इसके चलते कागज क्रय की मात्रा 9000 एमटी से 11000 एमटी बढ़ गई है। इससे लागत तो बढ़ेगी ही, बल्कि बच्चों के बस्ते का बोझ भी बढ़ जाएगा।

रोल बोल यूथ कान्क्लेव 2025 का आयोजन 23 को

रायपुर, रायपुर में युवाओं की सबसे बड़ी प्रेरणा लहर रोल बोल यूथ कान्क्लेव 2025 का आयोजन 23 नवंबर रविवार को दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित किया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष दर्शन सांखला ने प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि उक्त कार्यक्रम में युवाओं को मोटिवेट करने के लिए अनुभव दुबे कोफाउंडर चार सूत्ताबार, तुषार अमरीश गोयल फिल्म लेखक एवं कथाकार एवं निर्देशक द ताजस्टोरी, दिनेश मोहन मॉडल एवं अभिनेता छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार एवं विधायक धरसींवा पद्मश्री अनुज शर्मा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में पेनल वक्ताओं ने डॉ. युसूफ मेमन केंसर सर्जन, प्रथम बाफना युवा उद्यमी, अमर पारवानी समाजसेवी श्रीमती सरिता वाजपेयी आर्ट ऑफ लिविंग सुबोध हरितवाल, नीतिन श्रीवास्तव मनो चिकित्सक संतोष लोहाणा एवं आनंद सिंघानिया बिल्डर्स उपस्थित युवाओं को अपने ।

बास्केटबॉल और टेनिस कोर्ट का शुभारंभ, ग्रामीण खिलाड़ियों को मिलेगा नया संबल

गांव-गांव की खेल प्रतिभाओं को नया मंच दे रहा है सांसद खेल महोत्सव – आरंग में 4700 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

सांसद बृजमोहन अग्रवाल बोले छत्तीसगढ़ की माटी में खेल भावना बसी है, जरूरत है बस अवसर और मार्गदर्शन की

अंजनेय विश्वविद्यालय परिसर में खेलो छत्तीसगढ़, बढ़ो भारत की भावना के साथ सांसद खेल महोत्सव बना खेल संस्कृति का महापर्व

रायपुर, ग्रामीण भारत की खेल प्रतिभाओं को पहचान, प्रोत्साहन और मंच देने के उद्देश्य से सांसद खेल महोत्सव लगातार नई ऊंचाइयाँ छू रहा है। बुधवार को अंजनेय विश्वविद्यालय, नरदहा में आयोजित सांसद खेल महोत्सव - आरंग ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता के भव्य समापन समारोह में

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गांव-गांव में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें उचित अवसर और मार्गदर्शन की जरूरत है। यह महोत्सव उन छुपी हुई प्रतिभाओं के लिए सुनहरा अवसर है जो मेहनत और संकल्प के बल पर बड़े मंच तक पहुंचना चाहती हैं। कार्यक्रम में पहुंचने पर स्काउट्स एंड गाइड्स के कैडेट्स, खिलाड़ियों और जनता ने सांसद अग्रवाल का उत्साहपूर्ण स्वागत किया। समारोह के दौरान 163 गांव के लगभग 4700 खिलाड़ियों ने कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, गेड़ी, फुगड़ी और रस्सीकूद जैसे पारंपरिक और आधुनिक खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, तब पूरा परिसर जोश और प्रतिस्पर्धा के रंग में रंग गया। सांसद अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा, छत्तीसगढ़ की माटी ने हमेशा से खेल के क्षेत्र में देश को गौरवान्वित किया है। सबा अंजुम, रेणुका यादव, हेमबती नाग, राजेश चौहान, शशांक सिंह और ज्ञानेश्वरी यादव जैसे खिलाड़ी हमारी इसी मिट्टी के सपूत हैं जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की पहचान बनाई है। हमारा उद्देश्य ऐसे ही नए खिलाड़ियों को अवसर देना और उन्हें देश का गौरव बनाना है। समापन अवसर पर आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विजेता खिलाड़ियों को सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सम्मानित करते हुए पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए तथा उन्हें ऊँचे लक्ष्य साधने का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर सांसद अग्रवाल ने अंजनेय विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित बेस्टबॉल और टेनिस कोर्ट का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि यह सुविधाएँ न केवल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए बल्कि आसपास के सभी खेल प्रेमियों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगी, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण और उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए आत्मविश्वास मिलेगा। आरंग ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता की सफलता के लिए सांसद अग्रवाल ने ब्लॉक प्रशासन, विद्यालयीन व्यायाम शिक्षकों, कर्मियों एवं अंजनेय विश्वविद्यालय प्रबंधन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही ऐसा आयोजन सफल और प्रभावशाली बनता है जो ग्रामीण भारत को एक नई दिशा देता है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल के नेतृत्व में खेलो छत्तीसगढ़, बढ़ो भारतकी भावना को सशक्त करते हुए यह महोत्सव न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा रहा है, बल्कि प्रदेश में खेल संस्कृति की नई ऊर्जा का संचार भी कर रहा है।

गांव-गांव की खेल प्रतिभाओं को नया मंच दे रहा है सांसद खेल महोत्सव – आरंग में 4700 खिलाड़ियों ने दिखाया दम सांसद बृजमोहन अग्रवाल बोले छत्तीसगढ़ की माटी में खेल भावना बसी है, जरूरत है बस अवसर और मार्गदर्शन की अंजनेय विश्वविद्यालय परिसर में बास्केटबॉल और टेनिस कोर्ट का शुभारंभ, ग्रामीण खिलाड़ियों को मिलेगा नया संबल खेलो छत्तीसगढ़, बढ़ो भारत की भावना के साथ सांसद खेल महोत्सव बना खेल संस्कृति का महापर्वगांव-गांव की खेल प्रतिभाओं को नया मंच दे रहा है सांसद खेल महोत्सव – आरंग में 4700 खिलाड़ियों ने दिखाया दम सांसद बृजमोहन अग्रवाल बोले छत्तीसगढ़ की माटी में खेल भावना बसी है।

छत्तीसगढ़ को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मिली दो ऐतिहासिक उपलब्धि

इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब जिला अस्पताल पंडरी बना देश का सबसे पहला और इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब (IPHL) जिला अस्पताल

बलौदाबाजार बना देश का दूसरा क्वालिटी सर्टिफाइड लैब

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी बधाई: कहा – यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य तंत्र में आ रहे व्यापक, वैज्ञानिक और संरचनात्मक सुधारों का प्रमाण

रायपुर,। छत्तीसगढ़ ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जिला अस्पताल पंडरी रायपुर और जिला अस्पताल बलौदाबाजार की इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब (IPHL) को भारत सरकार के नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस कार्यक्रम (NQAS) के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर का गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। इनमें पंडरी रायपुर की IPHL देश की प्रथम, जबकि बलौदाबाजार की IPHL देश एवं राज्य की द्वितीय प्रमाणित लैब बनी है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और वैज्ञानिक मानकों पर आधारित लैब सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण को प्रमाणित करती है।

राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा निरंतर किए जा रहे प्रयासों का यह सीधा परिणाम है कि जनवरी 2024 से नवंबर 2025 के बीच राज्य की कुल 832 स्वास्थ्य संस्थाओं का राष्ट्रीय मानकों के आधार पर मूल्यांकन और प्रमाणीकरण किया गया है। इनमें दंतेवाड़ा के दूरस्थ क्षेत्र चिंतागुफा जैसे दुर्गम इलाकों के स्वास्थ्य केंद्र भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि देश में पहली बार किसी राज्य में लैब्स की इतनी बड़ी और व्यवस्थित श्रृंखला का मूल्यांकन एवं प्रमाणीकरण हुआ है, जिसने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट स्थान दिलाया है।

दोनो लैब्स का मूल्यांकन भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा नामित विशेषज्ञ मूल्यांकनकर्ताओं की टीमों ने किया। पंडरी रायपुर की IPHL का मूल्यांकन 10 सितंबर 2025, जबकि बलौदाबाजार की IPHL का मूल्यांकन 11 सितंबर 2025 को किया गया। दोनों टीमों ने लैब की कार्यप्रणाली, मरीज केंद्रित सेवाएँ, गुणवत्ता नियंत्रण, समयबद्ध रिपोर्टिंग और सुरक्षा प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा की। मूल्यांकन उपरांत, पंडरी रायपुर IPHL को 90% और बलौदाबाजार IPHL को 88% स्कोर के साथ प्रमाणन प्राप्त हुआ। यह स्कोर स्वास्थ्य गुणवत्ता के राष्ट्रीय मानकों में उत्कृष्ट श्रेणी में आता है।

इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब की अवधारणा का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को एक ही छत के नीचे पैथोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री और माइक्रोबायोलॉजी से संबंधित सभी प्रकार की जांच सुविधाएं उपलब्ध हों। इससे न केवल जांच की गति और विश्वसनीयता बढ़ती है, बल्कि लोगों को महंगी निजी जांच लैब्स पर अनावश्यक निर्भरता से भी राहत मिलती है। एकीकृत मॉडल होने के कारण, मरीजों को एक ही स्थान पर किफायती और सटीक जांच रिपोर्ट उपलब्ध हो पाती है।

पंडरी रायपुर की IPHL पूरे राज्य का मॉडल लैब बन चुकी है। यहां प्रतिदिन 3,000 से अधिक जांचें की जाती हैं और 120 से अधिक प्रकार की जांच सेवाएं उपलब्ध हैं। यह लैब 'हब एंड स्पोक' मॉडल पर कार्य करते हुए रायपुर जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से प्राप्त सैंपल की भी जांच करती है। कई बार आपातकालीन परिस्थितियों में यह लैब मेडिकल कॉलेज और अन्य जिलों से आए नमूनों की जांच भी करती रही है, जिससे इसकी क्षमता और उपयोगिता दोनों प्रमाणित होती हैं।

बलौदाबाजार की IPHL भी सेवा गुणवत्ता के मामले में तेजी से उभरती हुई लैब है। यहां प्रतिदिन 1,000 से 1,200 जांचें की जाती हैं और 100 से अधिक प्रकार की लैब टेस्टिंग उपलब्ध है। लैब में अत्याधुनिक उपकरणों, प्रशिक्षित तकनीशियनों और समयबद्ध रिपोर्टिंग की वजह से जिले के हजारों मरीजों को बड़ी राहत मिल रही है। ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के मरीजों को अब जांच के लिए शहर या निजी लैब्स में जाने की जरूरत नहीं पड़ती।

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा पूर्व में भी पंडरी रायपुर IPHL के मॉडल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना की जा चुकी है। देश के 13 से अधिक राज्यों की टीमें उक्त लैब का निरीक्षण कर इसकी कार्यप्रणाली का अवलोकन कर चुकी हैं। इतना ही नहीं, भारत सरकार द्वारा इंटिग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब्स हेतु जारी की गई विस्तृत गाइडलाइन के मुख्य पृष्ठ पर रायपुर IPHL की फोटो प्रकाशित की गई है। इस मॉडल को PM-ABHIM के अंतर्गत पूरे देश में स्थापित किए जा रहे IPHL नेटवर्क के मार्गदर्शक स्वरूप में अपनाया गया है।

छत्तीसगढ़ में गुणवत्ता आधारित मूल्यांकन की यह प्रक्रिया केवल प्रमाणीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य प्रणाली में स्थायी सुधार की दिशा में एक ठोस कदम है। NQAS के मानकों में साफ-सफाई, सुरक्षा, रोगी संतुष्टि, रिकॉर्ड प्रबंधन, तकनीकी गुणवत्ता, उपकरण कैलिब्रेशन, बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट और स्टाफ क्षमता निर्माण जैसे बिंदुओं का कड़ाई से पालन अनिवार्य है। दोनों लैब्स ने इन सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि अर्जित की है।

आयुक्त सह संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि हब एंड स्पोक कार्यक्रम भारत सरकार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसके जरिए सरकारी अस्पतालों में गुणवत्ता सुधार को संस्थागत स्वरूप दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम में निर्धारित चेकलिस्ट बेहद व्यापक है और प्रमाणन तभी मिलता है जब कोई संस्थान सभी मानकों पर सतत् उत्कृष्टता प्रदर्शित करे।छत्तीसगढ़ की दोनों IPHL लैब्स ने जिस दक्षता और अनुशासन के साथ सभी मापदंडों को पूरा किया है, वह राज्य के स्वास्थ्य तंत्र की मजबूती और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ गुणवत्ता सुधार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस प्रक्रिया में लैब तकनीशियनों, चिकित्सकों और प्रबंधन टीमों ने बड़े समर्पण और परिश्रम के साथ कार्य किया है। पंडरी रायपुर और बलौदाबाजार IPHL की उपलब्धि पूरे राज्य के लिए प्रेरक है और आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों में भी इसी मॉडल को सुदृढ़ता से लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा दोनों जिला अस्पतालों की IPHL टीमों–चिकित्सकों, तकनीशियनों और स्टाफ-को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं, और IPHLs के राष्ट्रीय प्रमाणन से राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली को नई विश्वसनीयता और मजबूती मिली है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

जहरीली हुई हवा पर नियंत्रण आवश्यक

दिल्ली में जहरीली हुई हवा पर किसी भी प्रकार की बेफिक्री के खिलाफ नई दिल्ली में इंडिया गेट के पास इकट्ठा हुए नागरिकों से पुलिस ने वैसा ही सलूक किया, जैसा इस दौर में किसी भी विरोध प्रदर्शन के साथ किया जाता है। संभवतः भारत सरकार की निगाह में उससे असहमत या उसकी नाकामियों पर बात करने वाली हर आवाज अवैध है, इसलिए इंडिया गेट पर जुटे महिलाओं और बुजुर्गों तक को पुलिस जबरन अपनी बसों में ले गई। दूर बवाना ले जाकर उन्हें छोड़ा गया। आयोजकों से यह लिखित वादा भी लिया गया कि समन पर वे मजिस्ट्रेट के सामने हाजिर होंगे। विरोध जताने आए नागरिकों की कोई राजनीतिक मांग नहीं थी। वे सिर्फ यह पूछ रहे थे कि उन्हें और उनके बच्चों को साफ हवा में सांस लेने का हक भी नहीं है?

दुश्मनी का रंग हमें पसंद आया,

तुम्हारी दुश्मनी का रंग हमें पसंद आया,
बड़ी शिद्दत से तुम्हारा संग हमें पसंद आया।

अभी मासूमियत का रंग है चेहरे पर जारी,
गुस्से में तुम्हारे चेहरे का रंग हमें पसंद आया।
रक़ीबों-सी न तिरछी नज़र से देखा कीजिये,
आंखों का वो लाल रंग हमें पसंद आया।

इक हँसी शाम सुलह को जब भी चले आए,
तुम्हारे होठों का सुर्ख लाल रंग हमें पसंद।

तेरी अदावत भी बड़ी फ़क़त हसीन निकली,
रूब-रू ना आके लेना जंग हमें पसंद आया।

खुदा ने नफ़सतें भी तुम पर ही लुटा डालीं,
कभी भी बिजली-सा कड़क ढंग हमें पसंद आया।

कहोगी लौट कर अब हम न आएँगे कभी लेकिन
अगली सांझ मुझसे मिलने का ढंग हमें पसंद आया।

,

- संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra-Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

भारत में जलवायु संकट-स्वास्थ्य एवं समृद्धि पर कहर

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

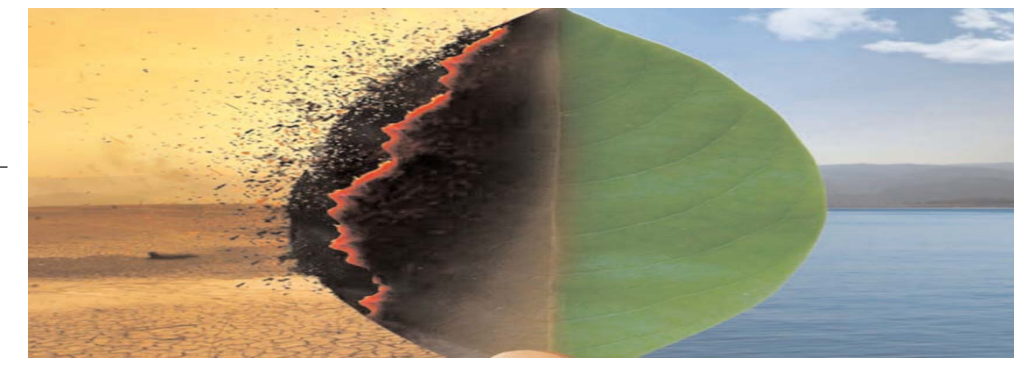

जलवायु परिवर्तन से उपजी पर्यावरणीय चुनौतियाँ आज मानव सभ्यता के अस्तित्व तक को प्रभावित कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन अब कोई दूर का वैज्ञानिक विचार नहीं, बल्कि तत्काल अनुभव किया जाने वाला यथार्थ है, जिसकी भयावहता का प्रमाण सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया 2025 की रिपोर्ट में स्पष्ट दिखाई देता है। जनवरी से सितंबर 2025 तक भारत ने अपने 99 प्रतिशत दिनों में किसी न किसी चरम मौसमी घटना-बाढ़, सूखा, भारी बारिश, तूफान, ठंड-लहर, अथवा भीषण गर्मी का सामना किया। इसी अवधि में 4,064 लोगों की मौत, 9.47 मिलियन हेक्टेयर फसल का नष्ट होना, लगभग 58,982 जानवरों की मृत्यु और 99,533 घरों का ढहना इस संकट की गहराई को दर्शाते हैं। कृषि क्षेत्र इन घटनाओं का सबसे बड़ा शिकार बना, क्योंकि जलवायु असंतुलन ने खेतों, मौसम चक्र और पैदावार को सीधे प्रभावित किया। बढ़ते तापमान और असामान्य वर्षा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश के सामने ये मुश्किलें सबसे बड़ी हैं। हिमाचल प्रदेश में 257 दिनों का चरम मौसम, मध्य प्रदेश में 532 मौतें और महाराष्ट्र में 84 लाख हेक्टेयर फसल का नुकसान बताता है कि यह सिर्फ पर्यावरणीय विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था का संकट है।

2025 में, कम से कम 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2022 के बाद से सबसे अधिक चरम मौसमी दिन दर्ज किए गए। फरवरी से सितंबर 2025 तक, लगातार आठ महीनों तक देश के 30 या उससे अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चरम मौसम की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं। भारत में जैसे हालात हैं, वही स्थिति पूरे विश्व में भी फैलती जा रही है। वर्ष 2023, 2024 और 2025 दुनिया के सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे। यूरोप की निरंतर हीटवेव, अफ्रीका के साहेल क्षेत्र का अकाल, अमेज़न और ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग, प्रशांत और अटलांटिक महासागरों में उग्र तूफान, और ग्लेशियरों के तेज़ी से पिघलने की घटनाएँ यह संकेत दे रही हैं कि पृथ्वी एक खतरनाक मोड़ की ओर बढ़ रही है। मौसम चक्रों का असंतुलन, समुद्र स्तर में वृद्धि, तापमान का अचानक बढ़ना और वर्षा का अनियमित होना, प्राकृतिक आपदाओं को न सिर्फ अधिक सघन बना रहा है बल्कि मानव जीवन को असुरक्षित भी। जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी वजह मनुष्य की अनियंत्रित गतिविधियाँ हैं-जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता, वनों की कटाई, प्रदूषण, अनियोजित शहरीकरण और अत्यधिक उपभोग ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों को खतरनाक स्तर तक बढ़ा दिया है, जिसका परिणाम है पृथ्वी का असामान्य रूप से गर्म होना।

इन परिस्थितियों का असर जीवन के हर क्षेत्र पर दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य पर प्रभाव बढ़ रहा है, हीटवेव के कारण मौतें बढ़ रही हैं, नए वायरस और प्रदूषण से उत्पन्न बीमारियों की आवृत्ति बढ़ी है। जल संसाधन खतरे में हैं और कई क्षेत्रों में नदियाँ व भूजल तेजी से सूख रहे हैं। खाद्य संकट गहराता जा रहा है क्योंकि फसलें असफल हो रही हैं, जिससे अनाज और सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक ढाँचा भी डगमगा रहा है, लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं और असमानता तेज़ी से बढ़ रही है। यदि दुनिया ने तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने का लक्ष्य पूरा नहीं किया, तो आने वाले तीन दशकों में हिमालयी नदियों का प्रवाह अनिश्चित हो जाएगा, तटीय शहर खतरे में पड़ेंगे और मानव जीवन मुश्किल होता चला जाएगा।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को दर्शाती एक ओर रिपोर्ट पिछले दिनों 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' के अनुसार पिछले साल जलवायु परिवर्तन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

विडंबना यह है कि 'द लांसेट' की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया और द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्टों में उजागर तथ्य हमारी आंख खोलने वाले व सचेतक हैं।

इन्हीं चिन्ताजनक रिपोर्टों पर सीएसई की महानिदेशक सुनिता नारायण ने कहा, देश को अब सिर्फ आपदाओं को गिनने की जरूरत नहीं है, बल्कि उस पैमाने को समझने की जरूरत है जिस पर जलवायु परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन कटौती की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि इतने बड़े पैमाने की आपदाओं के लिए कोई भी अनुकूलन संभव नहीं होगा। सीएसई के कार्यक्रम निदेशक किरन पांडे ने मानसून के दौरान बढ़ते तापमान को चिंताजनक बताया, जो अनियमित और चरम मौसमी घटनाओं को ट्रिगर कर सकता है। डाउन टू अर्थ के प्रबंध संपादक रिचर्ड महापात्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट एक आवश्यक चेतावनी है और बिना निर्णायक शमन प्रयासों के आज की आपदाएं कल का नया सामान्य बन जाएंगी। ऐसे समय में सिर्फ सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर आम नागरिक को भी पर्यावरण संरक्षण का सहभागी बनना होगा। सबसे पहले जीवनशैली को प्रकृति के अनुकूल बनाना जरूरी है, ऊर्जा की बचत, जल का सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग, प्लास्टिक का परित्याग, वृक्षारोपण, जैविक कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण जैसी छोटी गतिविधियाँ बड़े परिणाम ला सकती हैं। घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, रसोई कचरे से खाद बनाना और अनावश्यक उपभोग कम करना पर्यावरण पर सकारात्मक असर डालते हैं। वाहन का कम उपयोग, सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता, पैदल चलने और साइकिल जैसे पर्यावरण-मित्र विकल्प अपनाना जलवायु परिवर्तन से लड़ने की दिशा में शक्तिशाली कदम हैं।

पर्यावरणीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीकी कोशिशें। प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना, संसाधनों का संयमित उपयोग, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने की दृष्टि, जलवायु संकट के खिलाफ हमारी सामूहिक ताकत बन सकती है। यदि समाज में यह चेतना विकसित हो कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन और प्रगति का आधार है, तो परिवर्तन स्वतः शुरू हो जाता है। शिक्षा, जागरूकता और जनभागीदारी इस लड़ाई के सबसे महत्वपूर्ण हथियार हैं। स्कूलों और घरों में बच्चों को पर्यावरणीय मूल्यों का प्रशिक्षण देना भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी होगा। जलवायु संकट अपने आप नहीं थमेगा; इसे रोकने के लिए संकल्प, संयुक्त प्रयास और सतत विकास को जीवन की प्राथमिकता बनाना आवश्यक है। पृथ्वी हमारे पास केवल एक है और उसका कोई विकल्प नहीं। समय का यही संदेश है कि यदि हम प्रकृति की चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लेंगे, तो आने वाला समय मानवता के लिए और भी कठिन हो जाएगा। लेकिन यदि हर मनुष्य अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाए, तो जलवायु परिवर्तन की दिशा को बदला जा सकता है और धरती को संतुलन, शांति और स्थायित्व प्रदान किया जा सकता है।

यह निजी विचार है।

घनी आबादी के बीच स्मार्ट सिटी की कल्पना केवल परिकल्पना ना हो।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार।

आज के युग में हमारे देश-देश के मध्यम कद के शहरों का पुनरूत्थान, उन्हें स्मार्ट सिटी की मनोनीत परिकल्पना के अनुरूप विकसित करने का विचार न सिर्फ दूरदर्शिता की निशानी है बल्कि तत्काल आवश्यकता भी बन चुका है।

माना गया है कि ऐसे शहर जहाँ निवासियों की सभी सामान्य जरूरतें शुद्ध पानी-बिजली-धूल-प्रदूषण-मुक्त सड़कें-घर-संचार-इंटरनेट-सोशल मीडिया-प्रशासनिक सुविधाएँ-सुरक्षा-शिक्षा-मनोरंजन-यातायात-स्वास्थ्य तेज और सहज रूप में उपलब्ध हों, वहां के नागरिक जीवनशैली में सहजता, शांति और संतुलन महसूस कर सकें। ऐसी अवस्था जहाँ हर आम-व्यक्ति को गुणवत्ता-पूर्ण सुविधा कम सेवा मूल्य पर आसानी से मिल सके, वहाँ के जीवन-यापन के तरीके इतने सुलभ व संतुलित हों कि धूल-प्रदूषण-मुक्त सड़कें हों, पानी-बिजली सहज रूप से उपलब्ध हो, घर पहुँच घर-बैठे इंटरनेट-सोशल मीडिया-प्रशासनिक कार्य संपन्न हों। आम नागरिक, जो स्वतंत्रता-उपरांत जन-सुविधाओं के अभाव में अब तक जूझ रहे थे, उनके लिए इसका त्वरित निराकरण संचार-माध्यमों से संभव हो सके। इस प्रकार एक स्मार्ट-शहर की स्थापना केंद्र सरकार का लक्ष्य बन गया है।परंतु यह प्रश्न उठता है कि क्या हमारा भारत, अपनी विशाल जनसंख्या और मेट्रोपॉलिटन शहरों की घनी-संघन संरचना को देखते हुए, व मध्यम-कद-शहरों की संख्या को भी ध्यान में रखते हुए, वास्तव में इस स्मार्ट-सिटी की परिकल्पना को यथार्थ रूप दे सकता है? यदि सरकार व आम नागरिकों का संकल्प दृढ़ हो जाए, आपसी सहयोग व सामंजस्य बेहतर रूप से काम कर जाए, तो निःसंदेह भारत में स्मार्ट-सिटी की परिकल्पना यथार्थ रूप ले सकती है।

स्मार्ट-शहर के मानदंड स्पष्ट हो सकते हैं पर्याप्त बिजली-पानी-भोजन-घर आदि उपलब्ध हों; स्वास्थ्य-सुरक्षा-शिक्षा-मनोरंजन-यातायात की सुविधाएं सरलता से मिले; जीवन-आराम के संदर्भ में सभी आर्थिक गतिविधियाँ सुचारू रूप से चलें। ऐसी स्मार्ट-शहर यदि भारत में बन पाती है, तो निसंदेह वह देश के समग्र विकास को गति दे सकती है। लेकिन इसे मात्र दृढ़ संकल्प या नारेबाजी के आधार पर नहीं देखा जा सकता यहाँ सार्थक मेहनत, रणनीति-निर्माण, निष्पादन-प्रक्रिया और जनता-सहयोग की समान जरूरत है।

वास्तव में देश के प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता-दिवस पर घोषणा की कि भारत में एक सैकड़ा से अधिक-शहरों को स्मार्ट-सिटी बनाने की पहल होगी, तथा इसके लिए लगभग नौ-हजार करोड़ रुपये बजट का प्रावधान भी किया गया। इसके अंतर्गत केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा एक मैनुअल जारी भी किया गया है। इस परियोजना को आने वाले वर्षों में मूर्त रूप देना है। योजना के अनुसार- 40 लाख से अधिक आबादी वाले 9 शहर, 10 लाख-40 लाख आबादी वाले 44 शहर, 5 लाख-10 लाख आबादी वाले 20 शहर, प्रत्येक राज्य एवं केंद्र-शासित प्रदेश की राजधानी-शहरों के अंतर्गत लगभग 37 शहर तथा पर्यटन/धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण लगभग 15 शहर सम्पूर्ण रूप से स्मार्ट-सिटी के प्रावधान में लाये जाने का प्रस्ताव है।

प्रारंभ में केंद्र सरकार द्वारा इस दिशा में चयनित शहरों में शामिल हैं-इलाहाबाद (अब प्रयागराज), कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, देहरादून, हरिद्वार, बोधगया, भोपाल, इंदौर, कोच्चि, जयपुर, अजमेर आदि। विदेशी राष्ट्रों ने भी इस पहल में रुचि दिखाई है-- जापान ने वाराणसी को स्मार्ट-सिटी के रूप में विकसित करने में शामिल होने का प्रस्ताव रखा है, दिल्ली को स्मार्ट-सिटी बनाने के लिए कतर देश के प्रिंस ने बड़ी निवेश-राशि का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, तथा चेन्नई-बैंगलोर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निकट ÷लिटिल सिंगापुर÷ विकसित करने की चर्चा भी है। सरकार ने इस दिशा में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल को प्राथमिकता देने का निर्णय भी लिया है।

परंतु स्मार्ट-सिटी बनने के मार्ग में अनेक चुनौतियाँ भी हैं। उदाहरणस्वरूप- भारत में इस प्रकार की परियोजनाओं के कार्यान्वयन में कई फंसे हैं: आधुनिकीकरण-पूर्व आधारभूत संरचनाओं , पुरानी सड़क-नाली को स्मार्ट रूप देना कठिन है; वित्तीय संसाधनों की कमी और वित्तीय सततता की समस्या है। इसके अतिरिक्त, नगरीय स्थानीय निकायों की प्राविधिक एवं नियोजन-क्षमता सीमित है; भूमि अधिग्रहण-स्वीकृति-अनुमति प्रक्रियाओं में विलम्ब और ओवरलैपिंग संस्थागत जिम्मेदारियों की समस्या भी सामने आई है। और सबसे बड़ी चुनौती बड़े विदेशी-शहरों के अनुरूप मॉडल को भारत की विविध जनसंख्या-स्थितियों, आर्थिक-सामाजिक-मानदण्डों, कमजोर-शहरी-इन्फ्रास्ट्रक्चर व घनी जनसंख्या वाले नगरों में प्रत्यक्ष ले जाना आसान नहीं है।

इसलिए यदि स्मार्ट-सिटी की परिकल्पना मात्र आकार-आधारित, तकनीकी-उपकरणों-प्रचुरता पर आधारित हो जाए, तो संभावना है कि यह केवल हवा की बातें बनकर रह जाएँ। लेकिन यदि इसके पीछे ठोस योजना, समावेशी दृष्टिकोण, नागरिक भागीदारी, पारदर्शिता, स्थानीय क्षमता-निर्माण हो जाए, तो यह यथार्थ स्वरूप ले सकती है। उदाहरणत भारत के कई स्मार्ट-सिटी परियोजनाओं में यह देखा गया है कि अधिकांश फंड ÷एरिया-बेस्ड डेवलपमेंट÷ के अंतर्गत कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित रह जाते हैं, जिससे पूरे नगरवासियों तक लाभ नहीं पहुंच पाता। इसके साथ ही डिजिटल विभाजन यानी इंटरनेट-कनेक्टिविटी-तकनीकी पहुँच का असमान वितरण भी बड़ी बाधा है।

अतः निष्कर्षतः कह सकते हैं कि यदि देश का प्रत्येक नागरिक, इस सोच से प्रेरित होकर, सरकार की इस परियोजना में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान देने का संकल्प ले जाए, यदि नीति-निर्माण से लेकर कार्यान्वयन-प्रक्रिया तक नागरिक-भागीदारी व पारदर्शिता सुनिश्चित हो जाए, और स्थानीय निकाय-प्रशासन-निजी-क्षेत्र-सहयोग यथोचित रूप से हो जाए, तो निश्चित ही अगले दो दशकों में भारत में सैकड़ों स्मार्ट-शहर निर्मित हो सकते हैं। और तब आम नागरिकों को जन-सुविधाओं का सामान्य-स्वीकरण मिलेगा तथा भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में तेज़ी से आ जाएगा। सिर्फ लक्ष्य-घोषणा-ही पर्याप्त नहीं लक्ष्य के पीछे मेहनत-संकल्प-लोक-भागीदारी-निरंतरता-अभ्यास ज़रूरी हैं।

यह निजी विचार है।

राहुल गांधी को चोरी शब्द से बहुत प्रेम

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा नहीं की है। राष्ट्रीय जनता दल ने समीक्षा बैठक बुलाई तो उसमें समीक्षा कुछ नहीं हुई, तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुना गया। उधर कांग्रेस ने चुनाव नतीजों की समीक्षा की बजाय मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई।

कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में इस बैठक के लिए राहुल गांधी के पहुंचने की वीडियो कांग्रेस इकोसिस्टम ने सोशल मीडिया में खूब शेयर किया, जिसका कैप्शन था कि, 'तूफान आ रहा है, एसआईआर की सबसे बड़ी बैठक के लिए पहुंचे राहुल'। वैसे भी राहुल गांधी को आंधी, तूफान, चट्टान और पता नहीं क्या क्या बताने का बड़ा सुनियोजित अभियान सोशल मीडिया में चल रहा है। बहरहाल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में एसआईआर पर बैठक हुई, जिसमें दिसंबर के पहले हफ्ते में 'वोट चोरी' पर दिल्ली के रामलीला मैदान में एक बड़ी रैली करने का फैसला हुआ।

सोचें, राजनीतिक विमर्श की बजाय घूम फिर कर मामला 'वोट चोरी' पर पहुंच गया। ऐसा लग रहा है कि राहुल गांधी को चोरी शब्द से बहुत प्रेम है। पहले उन्होंने 'चौकीदार चोर है' का नारा लगाया था। उसके बाद उन्होंने 'सारे मोदी चोर होते हैं' की बात कही। फिर व्यापारी चोर हैं का नारा लगाया और अब चुनाव आयोग चोर है, जो 'वोट चोरी' करा रहा है की बात कर रहे हैं। अभी तक चोरी के उनके आरोपों का कोई लाभ कांग्रेस को या उसकी सहयोगी पार्टियों को नहीं हुआ है। फिर भी 'वोट चोरी' का मुद्दा राहुल गांधी के समूचे राजनीतिक विमर्श का केंद्रीय मुद्दा है। असल में कांग्रेस पार्टी की लगातार हार की समीक्षा करने पर राहुल गांधी को सबसे आसान कारण 'वोट चोरी' का समझ में आ रहा है। इसलिए वे इसी पर अड़े हैं। लेकिन यह बिल्ली को देख कर कबूतर के आंख बंद कर लेने वाली एप्रोच है। इस बात को राहुल गांधी और उनकी टीम नहीं समझ पा रही है।

यह साधारण सी राजनीतिक बात पता नहीं क्यों कांग्रेस नेताओं को नहीं समझ में आ रही है कि वे अगर मेहनत करते, ईमानदारी से गठबंधन बनाते, राजनीतिक व सामाजिक वास्तविकताओं को ध्यान में रख कर सीटों व टिकटों का बंटवारा करते, प्रचार में दम लगाते और उसके बाद हारते तो वोट चोरी के आरोपों पर लोगों को यकीन भी होता। लेकिन अगर पहले दिन से यह मैसेज हो कि कांग्रेस या उसके गठबंधन सहयोगी अच्छे तरीके से नहीं लड़ रहे हैं तो फिर 'वोट चोरी' के आरोपों पर कोई कैसे भरोसा करेगा? ध्यान रहे अच्छे से लड़ना चुनाव जीतने की गारंटी नहीं है लेकिन अच्छे से लड़ कर हारने पर लोगों की सहानुभूति मिलती है और समर्थन बढ़ता है। कांग्रेस यह काम नहीं कर पा रही है। बिहार का चुनाव ताजा मिसाल है। बिहार में कांग्रेस पहले दिन से अपने ही गठबंधन का खेल बिगाड़ने में लगी रही। उसने ऐन चुनाव से पहले तमाम जनाधार वाले नेताओं को हटा दिया और कांग्रेस में नौकरी करने वाले नेताओं को गठबंधन संभालने और चुनाव लड़ाने के काम में लगाया। तेजस्वी को रोकने के लिए सारे प्रयास किए तो लेफ्ट को उसका लेनिनग्राद कहे जाने वाले बेगूसराय में खत्म करने के लिए राहुल गांधी व प्रियंका गांधी वाड्रा दोनों ने पूरी मेहनत की। बदले में लेफ्ट ने भी कांग्रेस की जीती हुई सीटों पर अपने उम्मीदवार देकर उसको हरवाया। राहुल ने बिना मतलब एसआईआर के मुद्दे पर 16 दिन बिहार में यात्रा की और उसके बाद 57 दिन तक बिहार का रुख नहीं किया।

वैसे भी बिहार चुनाव को लेकर कोई भ्रम कभी नहीं था। इस बार पहले दिन से कोई मुकाबला नहीं था। यह चुनाव 2010 की तरह पहले दिन से दिख रहा था। 2010 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी और एसवाई कुरैशी मुख्य चुनाव आयुक्त थे तो बिहार में जनता दल यू और भाजपा गठबंधन को 206 सीटें आई थीं। उस समय लालू प्रसाद और रामविलास पासवान एक साथ लड़े थे और कांग्रेस अलग लड़ी थी। उस चुनाव में एनडीए को 39 फीसदी वोट मिला था। उसके बाद मोटे तौर पर हर चुनाव में उसका वोट इतना ही रहा। इस बार उसमें चिराग पासवान की वजह से नया वोट जुड़ा, जो चुनाव के पहले से जुड़ता दिख रहा था। सवाल है कि 2010 में 206 सीट मिलने पर कोई सवाल नहीं उठाने वाली कांग्रेस एक ज्यादा बड़े गठबंधन को 202 सीट मिलने पर 'वोट चोरी' के आरोप क्यों लगा रही है? इस तर्क के जवाब में ज्यादा समझदार लोग कहते हैं कि यह मामला इतना सरल नहीं है। लेकिन इसकी जटिलता भी कोई नहीं समझा रहा है। कोई भी व्यक्ति यह नहीं समझा रहा है कि एसआईआर से 'वोट चोरी' कैसे हुई है?

अपनी हाइड्रोजन बम वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने बिहार के जमुई जिले के पांच लोगों को मंच पर बुलाया कि उनका नाम मतदाता सूची से कट गया है। सवाल है कि जब अंतिम मतदाता सूची जारी हुई और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से उसको हर बूथ के हिसाब से वार्ड पार्षद के पास, प्रखंड में और चुनाव कार्यालय में उपलब्ध कराया गया और कहा गया कि अधिसूचना जारी होने तक लोग अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं तो इन लोगों ने आवेदन क्यों नहीं किया? **यह निजी विचार है।**

नागपुर में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और नितिन गडकरी ने किया एग्रो विजन का उद्घाटन

संतरे के लिए नागपुर में शुरू किया जाएगा क्लीन प्लांट सेंटर, उत्पादकता बढ़ाने पर जोरङ्क श्री शिवराज सिंह

सरकारें बहना बना रही हैं, उनकी ताकत को कोई अनदेखा नहीं कर सकता- श्री शिवराज सिंह चौहान

जलभराव व जंगली जानवरों से फसल को क्षति होने पर फसल बीमा योजना में मदद का किया प्रावधान- श्री चौहान

पीआईबी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आज नागपुर में एग्रो विजन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मंत्रियों व क्षेत्रीय विधायकों के साथ ही बड़ी संख्या में किसान, कृषि विशेषज्ञ, कुलपतिगण, शोध संस्थान प्रतिनिधि, उद्यमी भी शामिल हुए। यहां श्री शिवराज सिंह ने संतरा उत्पादकता बढ़ाने के लिए क्लीन प्लांट की जरूरत रेखांकित करते हुए नागपुर में 70 करोड़ रुपये से क्लीन प्लांट सेंटर प्रारंभ करने की घोषणा की।

समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों को अच्छे पौधे मिलना चाहिए, अगर वो नर्सरी से ऐसा पौधा ले आया जिसमें कोई वायरस है, जो 2ङ्क4 साल में अपना असर दिखाएगा और प्लांट खराब हो जाएगा, अच्छा उत्पादन नहीं दे पाएगा तो किसान बर्बाद हो जाता है। पैसा पूरा खर्च हो जाता है, बाद में पछताने के अलावा कुछ नहीं रहता है, इसलिए संतरा उत्पादक किसानों की भलाई के लिए हम अच्छी नर्सरी चिन्हित करेंगे और उन्हें आर्थिक मदद व टेक्नॉलॉजिकल सपोर्ट देंगे। बड़ी नर्सरी को 4 करोड़ रु. तक और मध्यम या छोटी नर्सरी को 2 करोड़ रु. तक की सहायता करेंगे, जो अच्छा क्लीन प्लांट तैयार करेगी।

श्री शिवराज सिंह ने महिला कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में लाड़की बहना, मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना, बिहार में जीविका बहना, आजकल तो सरकारें बहनें ही बना रही हैं। उनकी ताकत को कोई अनदेखा नहीं कर सकता। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी लाड़की बहना लखपति बन जाएं, इसका प्रयत्न ज़रूरी है, उसमें एग्रो विज़न एक नई दिशा दे रहा है।

कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसान अन्नदाता है, मतलब जीवनदाता है और किसानों की सेवा मेरी ज़िंदगी का मिशन है, मेरे लिए भगवान की पूजा है। इस रूप में मैं कृषि मंत्री के नाते काम कर रहा हूं। महाराष्ट्र के किसान कई दिन से कह रहे थे कि पानी ज्यादा गिरा पानी, खेत में भर गया, उसमें फसल खराब हो गई, जलभराव से फसल खराब होने पर नुकसान का मुआवजा देने का प्रावधान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में नहीं था, कई जगह किसान शिकायत करते थे कि जंगली जानवर उनकी फसल को नुकसान पहुंचा जाएं तो उसकी भरपाई नहीं होती थी। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि अब हमने तय किया है कि जलभराव के कारण फसल खराब होगी तो उसकी भरपाई की जाएगी, इसका प्रावधान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में शामिल कर लिया गया है, वहीं जंगली जानवरों से भी फसलों को जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई भी फसल बीमा योजना में की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि आलू, प्याज, टमाटर जैसी फसल उगाने व स्थानीय स्तर पर ठीक दाम नहीं मिलने पर बड़े शहरों में ले जाने के लिए ट्रांसपोर्टेशन का भाड़ा बहुत ज्यादा लगने की किसानों की दिक्कत दूर करने के लिए केंद्र ने योजना बनाई है कि इन उपज का परिवहन का सारा खर्चा केंद्रीय कृषि विभाग उठाएगा।

कार्यक्रम में, फीड उपलब्धता को समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड द्वारा नागपुर में 2027 से प्रारंभ किए जाने वाले 65 करोड़ रु. की लागत के प्लांट का शिलान्यास केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह व श्री गड़करी ने बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. मिनेश शाह की उपस्थिति में किया। एग्रो विजन के दौरान विभिन्न कृषि उत्पादों, उपकरणों, तकनीकी नवाचारों की प्रदर्शनी लगाई गई है, वहीं पहले दिन विशेषज्ञों ने जल संरक्षण, फसल विविधीकरण व आधुनिक कृषि विपणन पर विचार साझा किए।

भगवान जगन्नाथ के सेवा में सारा जीवन– डॉक्टर साह

संवाददाता लोकशक्ति।

केसिंगा स्थानीय जगन्नाथ मन्दिर परिसर में स्वर्गीय ऋषि साह भवन मे बहुत ही सुंदर एवं दर्शकों को आकर्षण करने वाला आवाज का लोकार्पण आज क्या गया है। इस लोकार्पण के मुख्य अतिथि कालाहांन्डी जिल्ला के जिल्ला पाल श्री सचिन पवार के हाथों से संपन्न हुआ । श्री पावर ने अपने भाषण में कहा कि केसिंगा शहर के विकास के लिए मेरे द्वारा जो भी मदद होगा मे करने के लिए तैयार हूं।

लोकार्पण में जगन्नाथ मन्दिर परिचालना कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर हेमसागर साहा जो की केसिंगा के वरिष्ठ समाजसेवी सिटीजन फॉर्म के अध्यक्ष पूर्व नगर पाल जिनके अथक प्रयास से केसिंगा शहर के कई दिनों के अंतराल में कई समस्याओं का समाधान उनके मार्गदर्शन एवं उनके प्रयास से किया जा रहा है। जो कि केसिंगा शहर के लिए बहुत ही गौरव की बात है। जैसे की टिटलागढ़ जाने के लिए रास्ता, स्थानीय मन्दिर परिसर में ट्रांसफार्मर की व्यवस्था, आदर्श स्कूल जाने के लिए रास्ता, एवं काई मुख्य समस्याओं का समाधान उनके हाथों से अतिसीग्रह होने की संभावना है। आज के इस मुख्य समारोह में जिल्ला स्तरीय कई सरकारी ऑफीसर उपस्थित थे। एवं स्थानीय वीडियो, तहसीलदार एनेच ऑफिस के उच्च अधिकारी, एवं कई गणमाननीय व्यक्ति भी इस समारोह में अपना उपस्थित जाहिर किए हैं। इस समारोह को देखते हुए जगन्नाथ मन्दिर कमेटी की ओर से बहुत ही सुंदर ढंग से व्यवस्था की गई थी। इस समारोह का परिचालना चंद्रशेखर आचार्य ने किया। एवं धन्यवाद ज्ञापन मन्दिर परिचरना कमेटी के महासचिव श्री हरिशंकर भोइ ने बहुत ही सुंदर ढंग से सभी का आभार ज्ञापन किया।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 में आयुष मंडप एक प्रमुख आकर्षण

आयुष मंडप ने आईआईटीएफ2025 में परिवारों को मुफ्त परामर्श, मुफ्त दवाओं और बच्चों के लिए आकर्षक गतिविधियों के साथ आकर्षित किया

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने स्वस्थ स्नैक्स और प्रीमिक्स के साथ आयुर्वेद–आधारित पोषण का प्रदर्शन किया

पीआईबी

आयुष मंत्रालय÷आयुष के साथ - स्वस्थ भारत, श्रेष्ठ भारत÷ थीम के अंतर्गत भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) 2025 में भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा विरासत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। आयुष मंडप में विषयगत स्टॉल इस मेले में सबसे अधिक देखे जाने वाले आकर्षणों में से एक बनकर उभरे हैं, जो आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी में निहित समग्र स्वास्थ्य समाधानों को जानने के लिए उत्सुक हजारों आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं।

प्रत्येक स्टॉल आयुष स्वास्थ्य प्रणालियों के एक विशिष्ट पहलू पर प्रकाश डालता है, जिसमें डिजिटल निदान और आहार प्रदर्शन से लेकर इंटरैक्टिव गेम्स और विशेषज्ञ परामर्श तक शामिल हैं। यह मंडप सहभागी गतिविधियों, लाइव डेमो और शैक्षिक सत्रों के माध्यम से सभी आयु वर्ग के आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है। मंडप का मुख्य आकर्षण अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) का स्टॉल है, जो कार्यात्मक खाद्य उत्पादों और उनके चिकित्सीय लाभों की विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से आयुर्वेद-आधारित आहार पद्धतियों पर प्रकाश डाल रहा है। संस्थान रागी नाचोस, सुंथ्यादि लड्डू, रागी-उड़द लड्डू, मुडगा सूप प्रीमिक्स और यवदी सक्तू जैसे व्यंजन प्रदर्शित कर रहा है, जो सभी शास्त्रीय आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार तैयार किए गए हैं। स्टॉल पर विशेषज्ञ बता रहे हैं कि ये व्यंजन खासकर एनीमिया प्रबंधन, प्रतिरक्षण प्रणाली में सुधार और पाचन स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में कैसे बेहतर पोषण में सहायक होते हैं। आगंतुकों को शैक्षिक पुस्तिकाएं भी दी जा रही हैं जिनमें व्यंजनों, बनाने की विधियों और शरीर की प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में पारंपरिक अनाजों, जड़ी-बूटियों और मसालों की भूमिका के बारे में जानकारी शामिल है। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर ने 'आयुष आहार' थीम के अनुरूप एक व्यापक प्रदर्शनी आयोजित की है। संस्थान त्रिफला जैम, कायाकल्प करने वाले दाने और रागी बिस्कुट सहित सात्विक आहार उत्पादों की एक श्रृंखला प्रस्तुत कर रहा है, साथ ही प्रामाणिक आयुर्वेदिक सामग्रियों से बने एलोवेरा जेल, लिप बाम और फुट क्रीम जैसे व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद भी प्रस्तुत कर रहा है।

संकाय सदस्य आगंतुकों के साथ संवाद कर रहे हैं और बता रहे हैं कि सात्विक भोजन के सिद्धांत मानसिक स्पष्टता, संतुलित ऊर्जा स्तर और दीर्घकालिक स्वास्थ्य में कैसे योगदान करते हैं। स्टॉल पर सूचनाप्रद ब्रोशर भी उपलब्ध हैं जो आगंतुकों को यह समझने में मदद करते हैं कि आयुर्वेद पर आधारित आहार के मामूली बदलाव को दैनिक जीवन में कैसे शामिल किया जा सकता है।

राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज का विशेष योगदान

नईदिल्ली,एजेंसी

शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर में आज प्राचार्या डॉ. सीमा शुक्ला के मार्गदर्शन एवं प्राध्यापक डॉ. शकुंतला डेहरे के संयोजकत्व में जनजातीय गौरव सप्ताह के अवसर पर जनजातीय गौरव समिति के द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर श्रीमती सीमा शुक्ला जी ने की तथा कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर के भूगोल विभाग के सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. डॉ. टोपलाल वर्मा उपस्थित रहें ।

कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्रोच्चार से हुआ। मुख्य वक्ता के स्वागत के पश्चात् अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सीमा शुक्ला ने कहा कि जनजातीय समाज का राष्ट्र निर्माण में विशेष योगदान रहा है अतः विद्यार्थियों को इन महापुरुषों के विषय में जानना आवश्यक है। कार्यक्रम के उद्देश्य एवं आवश्यकता को प्रास्ताविक के रूप में कार्यक्रम की संयोजिका डॉक्टर

शकुंतला डेहरी ने प्रस्तुत किया।

मुख्य वक्ता प्रो. टोपलाल वर्मा ने भगवान बिरसा मुंडा जी की 150 वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस के रूप में इसे क्यों मनाया जाता है ? एवं भगवान बिरसा मुंडा ज़ी का इस राष्ट्र के लिए ,धर्म रक्षा के लिए एवं समाज जागरण के लिए क्या योगदान था ? इस विषय पर अपना विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता प्रोफ़ेसर वर्मा ने कहा कि जब जब विधर्मियों ने धर्म की हानि की तब तब इस देश के महापुरुषों ने राष्ट्र रक्षा के संघर्ष किया 7जनजातीय बंधुओं ने भी इस संघर्ष में अपना योगदान दिया 7

जनजातीय समाज के महापुरुषों की इन गाथाओं को भावी पीढ़ी को जानना अत्यंत आवश्यक है संपूर्ण भारत को ऐसे महापुरुषों का इतिहास जानकर उनका स्मरण करना चाहिए7मुख्य वक्ता ने भगवान बिरसा मुंडा जी की सम्पूर्ण जीवनी पर प्रकाश डाला एवं यह बताया कि किस तरीक़े से उन्होंने धर्म एवं धार्मिक मान्यताओं को स्थापित किया । वे मतांतरण के विरुद्ध खड़े हुए हैं । उन्होंने आनंद नामक महापुरुष से प्रेरणा भी प्राप्त की । वे न केवल आजीवन संघर्ष करते हुए परतंत्रता के काल में धर्म रक्षा के लिए प्रयत्नशील रहे ।

मतांतरण का विरोध करते हुए कारावास की सजा दी गई । वे अनेक आदिवासी आंदोलनों के प्रेरक रहे । उन्होने जनजातीय समाज के लिए अनेक सामाजिक कार्यों को करते हुए अपना जीवन समाज एवं राष्ट्र को समर्पित किया । उन्होने जनजातीय समाज में फैले हुए अंधविश्वासों को दूर करने का प्रयत्न किया । वे बली प्रथा के विरोधी थे एवं उनका कहना था कि आदिवासी समाज के सदस्यों को पवित्र जनेउ धारण कर आदिवासी देवों की निरंतर स्तुति करते हुए मतांतरण से दूर रहकर धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए ।

वे स्त्री और पुरुष दोनों को साहस से युक्त बनाने की बात कहते हैं । इस प्रकार भगवान बिरसा मुंडा का इस राष्ट्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है और जनजातीय समाज के ऐसे और अन्य अनेक गौरवान्वित महापुरुष है जिन्होंने इस राष्ट्र को समृद्ध बनाया है। सभी विद्यार्थियों का यह कर्तव्य है कि वे ऐसे महापुरूषों की जीवनी को जाने एवं उनके गुणों को आत्मसात करें ।

इस कार्यक्रम के आयोजन एवं संचालन में समस्त वरिष्ठ प्राध्यापकों एवं जनजाति विकास समिति के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिनमें डॉ.दिग्विजय द्विवेदी, डॉ.मनोज कुमार शुक्ला, डॉ.वैभव कान्हे, डॉ. कादंबरी शर्मा ने अपना विशेष सहयोग दिया। इस अवसर पर आयोजित रांगोली ,चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता के विद्यार्थियों को पुरुस्कृत भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रवीण झाडी सहायक प्राध्यापक संस्कृत एवं आभार प्रदर्शन डॉ. दिव्या देशपाण्डे के द्वारा किया गया । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

छत्तीसगढ़ पुलिस अधिकारियों के लिए एचएनएलयू ने नए आपराधिक कानूनों पर एक दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया

रायपुर, संवाददाता

हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू), रायपुर ने छत्तीसगढ़ के कार्यरत पुलिस अधिकारियों के लिए नए आपराधिक कानूनों पर एक दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन 21 नवम्बर 2025 को विश्वविद्यालय परिसर में किया। यह कार्यक्रम सेंटर फॉर कम्पेरेटिव लॉ, स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, एचएनएलयू द्वारा नेताजी सुभाषचंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी, छत्तीसगढ़ के सहयोग से आयोजित किया गया। यह आयोजन एचएनएलयू और छत्तीसगढ़ पुलिस के बीच हुए समझौता ज्ञापन (स्र्ष्) के अंतर्गत हुआ, जिसका उद्देश्य राज्य के पुलिस अधिकारियों के प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण को सशक्त बनाना है।

वर्ष 2024 में हस्ताक्षरित इस महत्त्वपूर्ण एमओयू के अंतर्गत एचएनएलयू ने डीएसपी परिवीक्षाधीन अधिकारियों और 950 नव नियुक्त उपनिरीक्षकों (Sub-Inspectors) के लिए वर्षभर चलने वाला आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम (Foundation Training Programme) पुलिस अकादमी, चंदखुरी के साथ मिलकर संचालित किया है। वर्षों से, 10,000 से अधिक पुलिस अधिकारियों को एचएनएलयू द्वारा प्रशिक्षित किया जा चुका है, जो छत्तीसगढ़ में कानून के शासन (Rule of Law) की भावना को सुदृढ़ करने में विश्वविद्यालय की दीर्घकालीन प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) वी.सी. विवेकानंदन ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि इस प्रकार की पहलें ÷अकादमिक संस्थानों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सहयोग का अनूठा मॉडल हैं, जो संस्थागत क्षमता को सशक्त बनाते हुए कानून के शासन पर आधारित पुलिसिंग को प्रोत्साहित करती हैं।÷ उन्होंने इस सहयोग को नागरिक-केंद्रित और संवेदनशील पुलिसिंग की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम बताया।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, खारंग जल संसाधन संभाग, बिलासपुर
जिला – बिलासपुर (छ.ग.)
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

निविदा सूचना क्र. 27,28/व.ले.लि./2025–26 दिनांक. 20.11.2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 08.12.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है

01. कार्य का नाम – अरपा नदी पर पचरीघाट बैराज के बांयी तट के निचले भाग के आर.डी. 300 मी. से 1050 मी. तक प्रोटेक्शन वॉल का निर्माण कार्य।
निविदा सिस्टम क्रं. 180045, अनुमानित लागत – रू. 650.16 लाख (अनुमानित लागत एस.ओ.आर. 01.08.2022 के आधार पर)

02. कार्य का नामः– खारंग जलाशय के दांयी तट नहर के आर.डी. 150 मी. से आर. डी. 23070 मी. के मध्य क्षतिग्रस्त नहर मार्ग का मरम्मत कार्य एवं बैरिकेट निर्माण कार्य।
निविदा सिस्टम क्रं. 180051, अनुमानित लागत – रू. 119.08 लाख (जी.एस.टी. छोडकर)
(निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. लोक निर्माण विभाग 01.01. 2025 एवं संशोधित , जल संसाधन एस.ओ.आर. 01.05.2025 के आधार पर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई–प्रोक्योरमेंट् वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 27.11.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट, :1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई–प्रोक्योरमेंट् वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य हैं।
2. निविदाकार को इस निविदा में वर्ष 2025 में जारी किए गये Pre Bid Qulification certificate (Valid up to 30.09.2026) का उपयोग अनिवार्य है।

G-252604945/3

कार्यपालन अभियंता
,खारंग जल संसाधन संभाग

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

यातायात सुरक्षा बेहतर बनाने जांजगीर मुख्यालय में ट्रैफिक सिग्नल लाइट प्रारंभ

जांजगीर चांपा।

जांजगीर चांपा / जिला मुख्यालय जांजगीर शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ट्रैफिक सिग्नल लाइट प्रारंभ कर दिया गया है । पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस जांजगीर चांपा पुलिस द्वारा यातायात सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार के नेतृत्व में आज दिनांक को यातायात जांजगीर पुलिस द्वारा जांजगीर मुख्यालय कचहरी चौक, नेता जी चौक में ट्रैफिक सिग्नल लगाया गया जिसका शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा किया गया। यह एक ऐसा उपकरण है जो सड़क के चौराहों पर यातायात को नियंत्रित करता है, और नियमों का पालन करवाने के लिए लाल, पीली और हरी बत्तियों का उपयोग करता।

ट्रैफिक सिग्नल लाइट का मतलब – लाल बत्तीः इसका मतलब है कि आपको तुरंत रुक जाना चाहिए। स्टॉप लाइन, क्रॉसवॉक या चौराहे से पहले पूरी तरह से रुकना ज़रूरी है।

पीली बत्तीः इसका मतलब है कि बत्ती जल्द ही लाल होने वाली है, इसलिए आपको रुकने के लिए तैयार रहना चाहिए, जब तक कि आप इतनी तेज़ी से चौराहे के पास न हों कि सुरक्षित रूप से रुक न सकें।

हरी बत्तीः इसका मतलब है कि आप सुरक्षित रूप से चौराहे से आगे बढ़ सकते हैं, मुड़ सकते हैं या अपनी यात्रा जारी रख सकते हैं। लाल तीरः यह लाल बत्ती की तरह ही काम करता है, लेकिन यह एक विशिष्ट दिशा (जैसे बाएं या दाएं) के लिए होता है। इसका मतलब है कि उस दिशा में जाना प्रतिबंधित है।

ट्रैफिक सिग्नल शुभारंभ कार्यक्रम में जांजगीर के समाज सेवक असीमधर दीवान, अनुराग टिंकू शुक्ला, विक्की सिंह, शैल राठौर, उदय पाण्डेय, आर्यन सिंह, प्रकाश उपाध्याय, भोला राठौर, पप्पू शिवा, जिले के एनसीसी आफिसर दिनेश चतुर्वेदी एवं छात्रगण उपस्थित रहे जिन्हें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा यातायात ट्रैफिक सिग्नल लाइट के बारे में जानकारी साझा किया।

यातायात पुलिस की अपील

यातायात पुलिस द्वारा यातायात सुगमता, लोगो की सुविधा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने के लिए ट्रैफिक सिग्नल लाइट शुभारंभ किया गया है। अभी प्रारंभ में लोगो को समझाइश दी जा रही है कुछ दिनों पश्चात ट्रैफिक सिग्नल का उल्लंघन करते पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी

भाजपा की डबल इंजन की सरकार की मजबूत और स्पष्ट नीतियों ०के चलते नक्सलवाद आखरी सांस ले रहा है – शिवनारायण पांडेय

बस्तर में नक्सली आतंक का विस्तार कांग्रेस की उपेक्षापूर्ण नीतियों के ०कारण हुआ – शिवनारायण पांडेय

रायपुर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पाण्डेय ने कहा है कि नक्सली आतंक के पर्याय हिड़मा व उसकी पत्नी समेत 6 नक्सलियों के मारे जाने से बस्तर में शांति स्थापना की पहल और आतंक से की मुक्ति महत्वपूर्ण कड़ी है। अभी नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई जारी है और 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद का पूरी तरह खात्मा हो जाएगा। हमारा यह स्पष्ट मंतव्य है कि शांति और विकास अनुसूचित व आदिवासी बहुल क्षेत्रों का अधिकार है। श्री पाण्डेय ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरक क्षापूर्ण नीतियों के चलते ही देश और विशेषकर छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सली आतंक फला-फूला और 80 के दशक से लेकर बस्तर नक्सली दंश से लहूलुहान होता रहा। सुरक्षा बलों के अनेक जवानों, निर्दोष आदिवासियों, अन्य नागरिकों, पत्रकारों समेत हर वर्ग के लोग नक्सली आतंक के शिकार होते रहे हैं। श्री पाण्डेय ने कहा कि सन् 2003 में प्रदेश में जब भाजपा की पहली निर्वाचित सरकार बनी, तब इस समस्या के समाधान व नक्सली आतंक के खात्मे की रणनीति पर काम शुरू हुआ और 2018 तक नक्सलियों से मुठभेड़ हुई लेकिन इसके बाद कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार ने इस दिशा में कोई सार्थक काम नहीं किया।

सारागांव क्षेत्र में अब अपराधियों की धरपकड़ होगी आसान

'डबरी चौक, बस स्टैंड, सराफा मार्केट, बैंक, स्कूल सहित 32 सीसीटीवी कैमरा हुआ मुस्तैद

जांजगीर चांपा /

सारागांव थाना क्षेत्र में एसडीओपी चाम्पा यदुमणि सिदार एवम निरीक्षक सुभाष चौबे थाना प्रभारी के उचित प्रयासों एवम सारागांव क्षेत्र के गणमान्य लोगो के सहयोग से प्रमुख चौक चौराहा एवं प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। इससे अब अपराधियों की धरपकड़ में सुविधा मिलेगी और सारागांव क्षेत्र अब हाईटेक निगरानी व्यवस्था से सुरक्षित हो गया है। अलग अलग जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, यह पहल पुलिस विभाग और जनसहयोग से साकार हो सकी है। इन कैमरों की मदद से अब शहर की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सकेगी। सीसीटीवी कैमरे मानव और वाहनों को उनकी श्रेणियों के अनुसार पहचान सकते हैं। साथ ही इनमें संदिग्ध गतिविधियों को पहचानने, अनावश्यक भीड़भाड़ की निगरानी, चेहरा पहचानने की क्षमता जैसे उन्नत फीचर्स भी हैं। इससे अपराधियों की पहचान करना आसान होगा और समय रहते उनकी धरपकड़ की जा सकेगी। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस ने बताया कि इन कैमरों की स्थापना सारागांव के प्रमुख चौराहों, बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर की गई है। इस व्यवस्था से ना केवल अपराध की घटनाओं पर नजर रखी जा सकेगी, बल्कि भविष्य में अपराध की संभावनाओं को भी रोका जा सकेगा। यह कदम जनता और पुलिस के बीच विश्वास को भी और मजबूत करेगा।

जीके गुजराल राज्य विधिक परिषद के लिए सदस्य निर्वाचित

जांजगीर चांपा। राज्य विधिक परिषद चुनाव में सदस्य पद हेतु जांजगीर बार से तीन प्रत्याशी जीके गुजराल , रेवती रमण तिवारी और दिनेश यादव ने चुनाव में हिस्सा लिया जिसमें से जीके गुजराल अधिवक्ता निर्वाचित घोषित किए गए। यह दूसरी बार हुआ की जिला अधिवक्ता संघ जांजगीर को राज्य विधिक परिषद में जगह मिली है । जिला अधिवक्ता संघ जांजगीर ने इस जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है और उनके निर्वाचन से जिला अधिवक्ता संघ जांजगीर बार को नई पहचान मिलेगी । यह जानकारी जिला अधिवक्ता संघ जांजगीर के सांस्कृतिक एवम् क्रीड़ा सचिव अनिल राठौर ने दी।

सतर्क हो जाओ नहीं तो पछताओगे–स्वामी मधुसूदनाचार्य जी

जांजगीर चांपा /

पंडित सुंदरलाल शर्मा पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति हुए शामिल

जब तक यह धरती, सूर्य, चंद्रमा रहेंगे, तब तक भगवान की कथा रहेगी। कथा कहने और सुनने वाले बदलते रहेंगे लेकिन कथा अनवरत थी अनवरत रहेगी।* यह बातें श्री शिवरीनारायण मठ महोत्सव में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ एवं विराट संत सम्मेलन को संबोधित करते हुए व्यास पीठ की आसंदी से अनंत श्रीविभूषित श्री स्वामी मधुसूदनाचार्य वेदांताचार्य जी महाराज ने उद्धृत की, उन्होंने कहा कि *भगवान रामभद्र जी माता शबरी की जन्मभूमि शिवरीनारायण भी आए और उनकी कर्मभूमि पंपासर पहुंचकर दर्शन भी दिए । यही उनकी उदारता है*। उन्होंने श्रोताओं को आगाह करते हुए कहा कि लोग सोचते हैं कि *बुढ़ापा में भजन करेंगे। बचपन चला जाता है, जवानी चली जाती है। बुढ़ापे में आंख से दिखाई नहीं देता ! कान से सुनाई नहीं देता फिर भजन कैसे होगा* ? इसलिए अभी से सतर्क हो जाओ नहीं तो पछताना पड़ेगा।

श्री रामचरितमानस की यह चौपाई याद रखना - होइ न विषय विराग। भवन बसत भा चौथ पन।। हृदय बहुत दुख लाग। जनम गयउ हरि भगति बिनु।।* आप कितने भी बड़े पद पर पहुंच जाओ! हरि के भजन बिना आपके जीवन की जलन कभी भी समाप्त नहीं होगी! प्रत्येक दिवस की तरह महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज मंच पर विराजित थे। पंडित सुंदरलाल शर्मा पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति वीरेंद्र कुमार सारस्वत, संत गोपाल दास जी महाराज, संत गोवर्धन शरण जी महाराज तथा रांची, झारखंड से निग्रहचार्य जी महाराज अपने सहयोगियों सहित सम्मिलित हुए।

प्रत्येक श्रद्धालुओं के हाथ में तुलसी मंजरी, फूल, पूजन सामग्री – श्री शिवरीनारायण मठ महोत्सव में विहंगम दृश्य देखने को मिल रहा है, प्रत्येक श्रद्धालुओं के हाथ में तुलसी मंजरी, फूल, नारियल और पूजा सामग्री दिखाई दे रहा है। लोग

भगवान को अर्पित कर अपना जीवन धन्य बना रहे हैं। इस दृश्य को देखकर आचार्य जी ने कहा *चारों तरफश्यामा- श्यामा तुलसी मंजरी देखकर प्रतीत होता है कि यह शबरी की भूमि है।* माता शबरी भी रघुनाथ जी की प्रतीक्षा में प्रत्येक दिन यही कार्य करती थी।

नगर के युवा सेवा कार्य में लगे हुए हैं

शिवरीनारायण अध्यात्मिक नगर है यहां के प्रत्येक युवा भगवान की सेवा में समर्पित हैं *दोपहर हजारों की तादाद में उपस्थित श्रद्धालुओं को वे अपने हाथों से भोजन परोस कर पुण्य अर्जित कर रहे हैं।* वे सभी सुलझे हुए हैं, वर्षों से यह सेवा कार्य करते आ रहे हैं।

छात्र-छात्राएं भी हो रही शामिल

नगर में संचालित अनेक स्कूलों के छात्र-छात्राएं भी बड़ी संख्या में कथा श्रवण के लिए उपस्थित हो रहे हैं, शिक्षक उन्हें संस्कारित करने में लगे हुए हैं और अपने नगर के गौरव से उन्हें अवगत करा रहे हैं।

आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान के तहत बिना दावे वाली राशि वापसी 21 को

० धमतरी में प्रमाण पत्र वितरण

धमतरी, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक धमतरी एवं मुख्य प्रबंधक श्री इंद्र कुमार टिलवानी ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा देशभर में बिना दावे वाली वित्तीय संपत्तियों को उनके वास्तविक मालिकों तक वापस पहुंचाने के उद्देश्य से आपकी पूंजी आपका अधिकार÷ अभियान की शुरुआत की गई है। यह विशेष पहल 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2025 तक तीन चरणों में संचालित की जा रही है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को उनकी बिना दावे वाली संपत्तियों–जैसे निष्क्रिय बैंक खाते, गैर-दावाकृत बीमा राशि तथा म्यूचुअल फंड से संबंधित राशि–को सरल प्रक्रिया के माध्यम से पुनः प्राप्त कराने में सहायता करना है। अभियान के संचालन में वित्तीय सेवा विभाग के साथ बैंक, बीमा कंपनियाँ एवं स्टॉक एक्सचेंज सहित विभिन्न वित्तीय संस्थान शामिल हैं।

मुख्य प्रबंधक श्री टिलवानी ने बताया कि आरबीआई की पहल के अंतर्गत यदि किसी नागरिक का पुराना बैंक खाता निष्क्रिय हो गया है अथवा उसमें जमा राशि का दावा नहीं किया गया है, तो उसे वापस पाने के लिए तीन सरल चरण अपनाने होंगे– 1. निकटतम बैंक शाखा में संपर्क करें, चाहे वह आपकी मूल शाखा न हो। 2. केवाईसी दस्तावेज– आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस आदि की प्रतिलिपि के साथ दावा फॉर्म जमा करें।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा की

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही पर होगी कार्रवाई - कलेक्टर

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जन्मेजय महोबे ने आज विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि 04 दिसम्बर 2025 तक समस्त गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण किया जाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि टीम वर्क के साथ मिशन मोड में सभी कार्य समय-सीमा में पूर्ण करें। कलेक्टर ने कहा कि एसआईआर कार्य को गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक स्तर पर गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। बैठक के दौरान उन्होंने सभी एसडीएम से प्रगति रिपोर्ट एवं कार्ययोजना की विस्तार से जानकारी भी ली।

कलेक्टर श्री महोबे ने डिजीटाईजेशन में प्रगति लाने हेतु तहसील स्तर पर 10-12 बीएलओ का क्लस्टर बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्रीय निगरानी और सुपरविजन और प्रभावी हो सके। उन्होंने उपस्थित बीएलओ से फील्ड में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी ली और उनके त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। बैठक के दौरान बेहतर कार्य करने वाले बीएलओ की प्रशंसा की गई। कलेक्टर ने उनके अनुभव और कार्यशैली को अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि एसआईआर कार्य जिले की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, जिसे सभी मिलकर सफल बनाएं।

कलेक्टर ने एसआईआर कार्य में स्वयंसेवियों (वालिंटियर्स), सीएससी ऑपरेटर, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानीन, एनसीसी व एनएसएस का सहयोग लेने के भी निर्देश दिए, ताकि घर-घर सत्यापन, मतदाता जागरूकता और डेटा संकलन का कार्य और बेहतर तथा तेज गति से पूरा किया जा सके। कलेक्टर ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी कराने तथा मतदाताओं को गणना पत्रक शीघ्र भरकर बीएलओ को जमा कराने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, सर्व एसडीएम सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

किसान दिनेश ने बेचा 25.60 क्विंटल धान

कोरिया समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रक्रिया जिले में सुचारू रूप से जारी है। इसी क्रम में ग्राम अंगा निवासी 42 वर्षीय किसान दिनेश साहू (पिता - रामशरण) ने आज पटना सहकारी समिति में पहुंचकर धान विक्रय किया। दिनेश साहू ने बताया कि उन्होंने करीब 0.6900 हेक्टेयर में धान की खेती किए थे। खरीदी केंद्र में उन्होंने 25.60 क्विंटल धान बेचा। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 2369 प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य के अनुसार उन्हें कुल 60646 की राशि प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि धान बिक्री से मिली राशि का उपयोग वे खाद-बीज खरीदने, आगामी गेहूं की खेती, कर्ज़ भुगतान तथा दैनिक उपयोग की आवश्यकताओं को पूरा करने में करेंगे।

आदिवासी गोड़ समाज को नशा मुक्ति आंदोलन में स्वरोजगार दिलाने में एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंची समाज और पुलिस

विश्व बाल दिवस पर कु. दीक्षा सारथी बनीं प्रतीकात्मक कलेक्टर

छात्र-छात्राओं, युवा पीढ़ी एवं जिलेवासियो से की तीन सार्थक अपील

जांजगीर-चांपा / विश्व बाल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं यूनिसेफद्वारा आयोजित कार्यक्रम में ज्ञान मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नवागढ़ के कक्षा 11वीं की छात्रा कु.दीक्षा सारथी को 15 मिनट के लिए कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे द्वारा प्रतीकात्मक कलेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी गई। कु.दीक्षा ने छात्र-छात्राओं, युवा पीढ़ी एवं जिलेवासियो से तीन महत्वपूर्ण सुझाव रखे, जिनकी सभी अधिकारियों और उपस्थितजनों ने सराहना की।

महीने में एक दिन डिजिटल फास्टिंग करें - दीक्षा कु.दीक्षा ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी मोबाइल और स्क्रीन के अधिक उपयोग से मानसिक थकान और परिवार से दूरी का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि महीने में एक दिन पूरी तरह स्क्रीन-फ्री डे मनाएं, इस दौरान लाइब्रेरी जाएं, प्रेरणादायी किताबें पढ़ें, खेलकूद और आउटडोर

गतिविधियों में भाग लें माता-पिता, दादा-दादी और परिवार के साथ समय बिताएं। उन्होंने कहा कि यह पहल मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच और एकाग्रता बढ़ाने में बेहद मददगार होगी।

प्लास्टिक मुक्त जिला - हर घर से कपड़े का थैला निकले

कु. दीक्षा ने जिले को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए सभी नागरिकों से सहयोग मांगा। उन्होंने अपील की कि बाजार जाते समय हमेशा कपड़े, जूट या कागज का थैला साथ रखें। सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करें। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की छोटी पहल मिलकर एक बड़े बदलाव का रूप ले सकती है।

एक पेड़ माँ के नाम - अपनत्व से जुड़ा पर्यावरणीय संदेश

कु. दीक्षा ने कहा कि हर नागरिक अपनी माँ के नाम पर एक पौधा लगाए और उसके संरक्षण का संकल्प ले। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा माँ के नाम से लगाएं तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करें एवं अधिक हरियाली बढ़ाने के लिए साथियों को भी प्रेरित करें।

कलेक्टर ने दीक्षा को दी बधाई, सभी बच्चों को दी शुभकामनाएं

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने दीक्षा सारथी की सोच और नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बच्चों की सृजनात्मक सोच समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की सबसे बड़ी ताकत है। कलेक्टर ने सभी बच्चों को विश्व बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर यूनिसेफके जिला समन्वयक श्री विनोद साहू, यूवोदय हसदेव के हीरो वालिंटियर्स सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खास खबर

बहतराई स्टेडियम में सीपत महा के छात्रों ने खेल स्पर्धा में लहराया परचम 7 मेडल जीते

बिलासपुर, बहतराई स्टेडियम में 18-19 नवंबर को आयोजित सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स पुरुष/महिला प्रतियोगिता में शासकीय मदनलाल शुक्ल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीपत के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैदान में अपना दमखम दिखाया और कुल 7 मेडल जीतकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। पुरुष वर्ग में सीपत के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जिसमें नितेश भाला फेंक प्रथम स्थान, कमल किशोर 200 मीटर दौड़ द्वितीय स्थान, कमल किशोर 400 मीटर दौड़ तृतीय स्थान रहा ।तो वंही महिला वर्ग में बेटियों का दमदार जलवा रहा। जिसमें बिंदाश्याम गोला फेंक प्रथम स्थान, बिंदाश्याम 100 मीटर दौड़ द्वितीय स्थान, बिंदाश्याम 200 मीटर दौड़ तृतीय स्थान, हेमलता 400 मीटर दौड़ तृतीय स्थान हासिल की। इन शानदार उपलब्धियों के साथ खिलाड़ियों ने महाविद्यालय के लिए कुल 7 मेडल हासिल किए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एस. खेर ने सभी विजेता छात्रों को हृदय से बधाई देते हुए कहा कि सेक्टर स्तर पर ऐसा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यार्थियों ने न केवल महाविद्यालय बल्कि अपने माता-पिता का मान भी बढ़ाया है। भविष्य में भी ऐसे ही निरंतर प्रगति करें। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने भी छात्रों के प्रदर्शन की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के साथ डॉ. राम प्रसाद चंद्रा खेल प्रभारी तथा कमलेश सिंह उपस्थित रहे और विद्यार्थियों को लगातार प्रोत्साहित करते रहे।

धान उपार्जन केन्द्रवार नोडल अधिकारी एवं ट्रस्टेड पर्सन नियुक्ति का संशोधित आदेश जारी

कोरबा । खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु धान खरीदी के निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण हेतु धान खरीदी अवधि तक के लिए उपार्जन केन्द्रवार नोडल अधिकारी एवं ट्रस्टेड पर्सन नियुक्ति के संबंध में पूर्व में जारी आदेष में आंषिक संषोधन किया गया है। संषोधित आदेष के अनुसार उपार्जन केन्द्र भैसमा हेतु खाद्य निरीक्षक उर्मिला गुप्ता, सुमेधा-खाद्य निरीक्षक संतोष कंवर, पाली-खाद्य निरीक्षक रवि कुमार राज, पठियापाली- ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी रजनीष सिंह, अखरापाली- ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी मुकेष कुमार लहरे, बक्साही- करारोपण अधिकारी पाली षिवपाल मरावी, पसान- ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी दिपांषु गुप्ता, कुल्हरिया- ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी नमस्कार नवरंग और उपार्जन केन्द्र मोरगा हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी राकेष कुमार यादव को नोडल अधिकार एवं ट्रस्टेड पर्सन नियुक्त किया गया है।

आंगनबाड़ी पालना सहायिका के लिए आवेदन आमंत्रित

कोरबा । एकीकृत बाल विकास परियोजना कटघोरा अंतर्गत नगर पालिका दीपका के वार्ड क्र. 10 स्थित आंगनबाड़ी पालना केन्द्र दीपका क्रमांक 7 में आंगनबाड़ी पालना सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती हेतु 28 नवंबर से 12 दिसंबर 2025 तक आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किया गया है। आवेदन पत्र कार्यालयीन समय में 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक कार्यालय बाल विकास परियोजना कटघोरा में सीधे अथवा पंजीकृत/साधारण डाक के माध्यम से जमा किया जा सकता है। आवेदन पत्र का प्रारूप परियोजना कार्यालय कटघोरा के सूचना पटल पर अवलोकन किया जा सकता है। इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना कटघोरा में संपर्क किया जा सकता है।

झोराघाट का होगा कायाकल्प : प्राकृतिक सौंदर्य संग आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का होगा समावेश

कलेक्टर एवं डीएफओ कटघोरा ने पर्यटन स्थल का किया निरीक्षण, डीएमएफ से परियोजना प्रस्ताव तैयार करने के दिए निर्देश

झोराघाट सुसंरक्षित व आकर्षक इको-टूरिज्म स्थल के रूप में होगा विकसित :- कलेक्टर श्री अजीत वसंत

रिवर फ्रंट, वॉकवे, पैगोड़ा एवं बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुविधाएँ विकसित करने के दिए निर्देश

कोरबा , कलेक्टर श्री अजीत वसंत एवं वनमंडल अधिकारी कटघोरा श्री कुमार निशांत ने कटघोरा वनमंडल अंतर्गत स्थित प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण पर्यटन स्थल झोराघाट में पर्यटन को बढ़ावा देने एवं स्थानीय विकासके उद्देश्य से विस्तृत निरीक्षण किया। अधिकारियों द्वारा झोराघाट के मनोहारी प्राकृतिक परिवेश, हसदेव नदी के तटीय क्षेत्र आस-पास के भू-भाग तथा मौजूदा सुविधाओं का अवलोकन कर भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की। उन्होंने डीएफओ कटघोरा को झोराघाट में पर्यटन विकास के लिए डीएमएफ से विस्तृत परियोजना प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्थल में हसदेव नदी के तट को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने, बच्चों के लिए मनोरंजक झूले व खेल सामग्री स्थापित करने, युवाओं के लिए खुले में व्यायाम उपकरण तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए ध्यान व साधना स्थल सहित अन्य निर्माण कार्य सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पर्यटकों को प्रकृति के और अधिक निकट लाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाने हेतु विशिष्ट गतिविधियां सम्मिलित करने की बात कही। कलेक्टर ने झोराघाट में बेहतर पर्यटन सुविधाओं के लिए रिवर फ्रंट, पैगोड़ा निर्माण, पर्यटकों के लिए स्वच्छ प्रसाधन, वॉच टावर, वॉक वे, विश्राम स्थल तथा अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण सुनिश्चित करने निर्देशित किया। जिससे यह स्थल एक सुसंरक्षित और आकर्षक इको-टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित हो सके ।

कलेक्टर श्री वसंत ने विशेष रूप से यह निर्देश दिए कि परियोजना में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा पर्यटन स्थल के माध्यम से आसपास के ग्रामीणों के लिए आजीविका के नए साधन विकसित किए जाएं। स्थानीय उत्पादों की बिक्री, गाइड सेवा, वाहन संचालन व अन्य सहायक गतिविधियों को बढ़ावा देकर ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि झोराघाट परियोजना के सफल क्रियान्वयन से जिले में पर्यटन को नया आयाम मिलेगा साथ ही पर्यावरण संरक्षण, जनसहभागिता और ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक उन्नयन में भी महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित होगा। इस दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी कटघोरा श्री अशोक मन्नेवार तथा वन विभाग के अधीनस्थ कर्मचारी उपस्थित रहे।

झोराघाट में एप्रोच रोड को दिसम्बर तक पूर्ण करने के दिए निर्देश

इस दौरान कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने झोराघाट में लोक निर्माण विभाग सेतु द्वारा निर्मित किए गए पुल का निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने पुल में निर्मित किए जा रहे एप्रोच रोड निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए दिसम्बर माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अदम्य सौर्य और वीरता का प्रतीक थीं रानी लक्ष्मीबाई

ढेलवाडीह में जयंती पर हुआ आयोजन

कोरबा, संवाददाता।

स्वाधीनता संग्राम में अपना अतुल्य योगदान देने वाली झांसी की रानी लक्ष्मी बाई अदम्य सौर्य, साहस और वीरता का अद्भुत उदाहरण थी। उन्होंने अपने दौर में भी नारी सशक्तिकरण को लेकर एक बड़ी लकीर खींची और महिलाओं को पराक्रम दिखाने के लिए प्रेरित किया।

मनु के नाम से पहचानी जाने वाली रानी लक्ष्मीबाई की जयंती 19 नवंबर को कोरबा जिले के ढेलवाडीह स्थित लक्ष्मीबाई विद्यालय में मनाई गई। कोरबा जिला अशासकीय विद्यालय प्रबंधक संघ के अध्यक्ष अक्षय दुबे ने इस मौके पर रानी लक्ष्मीबाई के जीवन से जुड़े विभिन्न पक्षों पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि बहुत कुछ सोचकर हमने वीरांगना के नाम से इस विद्यालय की शुरुआत की। आज जब जयंती मनाई जा रही है तो सभी विद्यार्थियों को इस चरित्र के बारे में दिया जाना आवश्यक है। अक्षय ने अपने विचार को आगे बढ़ाते हुए बताया कि किस तरह अंग्रेजी सत्ता से लोहा लेने के साथ उन्हें नाकों चने चबाने के लिए इस भारतीय वीरांगना ने अपने पराक्रम का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने जीवनकाल में तय किया था कि चाहे कुछ हो जाए लेकिन अंग्रेज उन्हें छू नहीं सकेंगे। यही कारण रहा कि जब अंतिम समय में उन्होंने जीवन को संकट में घिरा पाया तो आत्म उत्सर्ग कर दिया। विद्यालय के शिक्षकों और अतिथियों के द्वारा भी इस मौके पर अपनी बात रखी गई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्वाधीनता संग्राम भारतीय इतिहास का बहुत दीर्घ अध्याय रहा है। अनगिनत सूरवीरों की भूमिका इसमें दर्ज हुई और उन्होंने ब्रितानी हुकूमत को भारत से खदेडने के लिए अपना विशिष्ट योगदान दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की ओर से कई सवाल किए गए जिसका संतोषजनक जवाब दिया गया।

प्रोजेक्टर पर देखा इतिहास

हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए इस कार्यक्रम के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई से संबंधित एक वृत्त चित्र का प्रदर्शन प्रोजेक्टर पर किया गया। इसमें मध्य प्रदेश सीमा के नजदीक स्थित ऐतिहासिक शहर झांसी का किला और आसपास में मौजूद हथियार, रानी लक्ष्मी बाई की वीरगाथा को दिखाया गया। विद्यार्थियों ने इस वृत्त चित्र के माध्यम से अतीत के उन पन्नों की जानकारी प्राप्त की जिम रानी लक्ष्मीबाई ने महिला होने के बावजूद एक कुशल योद्धा का परिचय दिया और अपने दुश्मनों के दांत खट्टे किए।

भंडारण प्रभारियों को मानक स्तर का, गुणवत्तायुक्त चावल ही भंडारित एवं उपयोग करने क हैं स्पष्ट निर्देश

किसी भी विद्यालय से मध्यान्ह भोजन के लिए प्रदत्त चावल की गुणवत्ता में कमी की कोई शिकायत नहीं हुईप्राप्त

कोरबा दैनिक समाचार पत्र में पाली विकासखंड अंतर्गत विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन हेतु निम्न तथा घटिया गुणवत्ता का चावल वितरित किए जाने संबंधी समाचार प्रकाशित किया गया है। इस संबंध में नान के जिला प्रबंधक ने बताया है कि समाचार में किए गए दावे तथ्यात्मक रूप से सत्य नहीं हैं। विद्यालयों से प्राप्त जानकारी एवं विभागीय निरीक्षणों के अनुसार किसी भी विद्यालय द्वारा मध्यान्ह भोजन हेतु प्रदत्त चावल की गुणवत्ता पर कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। सभी संबंधित विद्यालय प्रभारी, रसोई कर्मचारियों एवं भंडारण प्रभारियों को मानक स्तर का, गुणवत्तायुक्त चावल ही भंडारित एवं उपयोग करने के स्पष्ट निर्देश पूर्व से ही दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, यह सुनिश्चित करने हेतु कि मध्यान्ह भोजन में प्रयुक्त चावल में किसी भी प्रकार का जाला, कीड़ा या खराबी न हो, विद्यालयों को भंडारण से पूर्व चावल की पूरी तरह से जाँच करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदाय केंद्रों से चावल प्राप्त करने की स्थिति में यदि किसी प्रकार की गुणवत्ता संबंधी समस्या पाई जाती है, तो संबंधित दुकान संचालक से तत्काल चावल बदलवाकर गुणवत्तायुक्त चावल का भंडारण सुनिश्चित करने के आदेश भी जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन कोरबा द्वारा मध्यान्ह भोजन योजना के क्रियान्वयन की नियमित मॉनिटरिंग एवं समीक्षा की जा रही है। कलेक्टर के निर्देशानुसार सभी विकासखंडों में शिक्षा विभाग, खाद्य विभाग तथा स्थानीय प्रशासन की संयुक्त टीमों द्वारा विद्यालयों का अकस्मात निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि बच्चों को परोसा जाने वाला भोजन पूरी तरह मानकों के अनुरूप हो।

युवा रत्न सम्मान के लिये 30 तक आवेदन आमंत्रित

कोरबा राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में युवाओं एवं स्वैच्छिक संगठनों द्वारा समाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, साहसिक, शैक्षणिक, खेल एवं अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं जिनकी उम्र 15 से 29 वर्ष के मध्य हो, उनकी व्यक्तिगत क्षमता में सुधार तथा समाज सेवा के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने के उददेश्य से ''युवा रत्न सम्मान योजना'' लागू करने का निर्णय लिया गया है।

इस योजना अंतर्गत विभिन्न क्षेत्र जैसे- असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्य हेतु एक युवा एवं एक स्वैच्छिक संगठन को छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान जिसमें क्रमशः एक युवा को 2.ढाई लाख रूपये एवं एक संगठन को 5 लाख रूपये पुरस्कार राशि प्रदाय किया जायेगा। इसी तरह सामाजिक साहित्य, उद्योग, शिक्षा, खेल, पर्यावरण क्षेत्र, युवा रत्न सम्मान (महिला एवं बाल विकास), युवा रत्न सम्मान (मीडिया), युवा रत्न सम्मान (स्वास्थ्य), युवा रत्न सम्मान(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी), युवा रत्न सम्मान(दिव्यांगजन), युवा रत्न सम्मान(कला एवं संगीत) एवं युवा रत्न सम्मान(लोककला) में सम्मान दिया जायेगा, जिसमें प्रत्येक क्षेत्र में एक युवा को एक लाख पुरस्कार राशि के साथ पदक, एक प्रमाण पत्र एवं शॉल प्रदाय किया जायेगा। युवा रत्न पुरस्कार (महिला एवं बाल विकास) के पुरस्कार में केवल महिलाओं/बालिकाओं को ही प्रदाय किया जायेगा।

हाई कोर्ट ने कहा सेंदरी मेंटल हॉस्पिटल में डॉक्टरों की कमी शीघ्र पूरी की जाए

बिलासपुर, । सेंदरी मेंटल हॉस्पिटल में स्टाफ की कमी पर जनहित याचिका पर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने शासन को नियमों और प्रावधानों के तहत स्टाफ की भर्ती, उपकरण की व्यवस्था करने कहा। शासन की ओर से कहा गया कि सभी प्रक्रियाएं जारी हैं। इससे पहले हाईकोर्ट के निर्देश पर सचिव स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, छत्तीसगढ़ शासन ने मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सालय सेंदरी का भ्रमण कर निरीक्षण किया और कमियों को दूर करने एवं सुधारात्मक उपाय करने के निर्देश दिए थे। हाईकोर्ट ने मामले को मानिटरिंग के लिए रखा है। गौरतलब है कि राज्य में मानसिक रोगियों के इलाज के लिए सेंदरी में एकमात्र मानसिक अस्पताल है। यहां अधिनियम के अनुसार प्रावधान और सुविधा नहीं होने पर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। मामले में यह बात लिखी थी कि उनके निर्देश पर आयुक्त सह निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य नोडल अधिकारी (एनएमएचपी) के साथ मानसिक अस्पताल सेंदरी का दौरा कर निरीक्षण किया और रिपोर्ट पेश किया। इसके अलावा सचिव स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, छत्तीसगढ़ शासन ने स्वयं मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सालय सेंदरी का भ्रमण कर निरीक्षण किया और कमियों को दूर करने एवं सुधारात्मक उपाय करने के निर्देश दिए गए। शासन द्वारा पेश जवाब में कहा गया है कि कुछ कमियां जरूर हैं लेकिन स्टाफ ड्यूटी रोस्टर एवं निर्धारित ड्यूटी के अनुसार कार्य कर रहा है। मरीजों को सुरक्षा स्टाफ द्वारा पर्याप्त सुरुक्षा प्रदान की जा रही है। अस्पताल में फार्मासिस्ट की कोई कमी नहीं है। हालांकि कोर्ट कमिश्नर की ओर से बताया गया कि अस्पताल की स्थिति उतनी ठीक नहीं है, अस्पताल में फिलहाल कुछ ही डॉक्टर उपलब्ध कराए गए हैं। हालांकि वह शासकीय सेटअप के हिसाब से कम हैं।इस पर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान भी लिया है। दोनों मामलों की एक साथ सुनवाई चल रही है। याचिका में बताया गया कि, डब्ल्यूएचओ के नियम अनुसार 10 हजार लोगों पर मनोचिकित्सक होना चाहिए, जबकि राज्य में 8 लाख लोगों पर एक है। प्रावधान के अनुसार हर जिले में एक मानसिक स्वास्थ्य केंद्र और मनोचिकित्सक होने चाहिए। पिछली सुनवाईयों में मुख्य सचिव ने व्यक्तिगत शपथ पत्र में यह जानकारी साझा की है।

अवैध धान आवक-विक्रय के पर्यवेक्षण हेतु तहसील स्तरीय जांच दल गठित

विवकीनंदन चौक में बना पिंक टॉयलेट खामियों के चलते महिलाओं के उपयोग में नहीं आ पा रहा

बिलासपुर, संवाददाता

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत महिलाओं की सुविधा के लिए शहर के प्रमुख स्थानों पर पिंक टायलेट बनाए गए हैं। इन्हीं में से एक देवकीनंदन चौक पर स्थित पिंक टायलेट है, जिसे बनाते समय उद्देश्य था कि यहां से गुजरने वाली महिलाएं सुरक्षित, स्वच्छ और आसानी से सुलभ सार्वजनिक शौचालय की सुविधा ले सकेंगी। हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। दिनभर चौक पर भारी भीड़ और बाजार की चहल-पहल के बावजूद ज्यादातर महिलाएं इस पिंक टायलेट का उपयोग नहीं कर पा रही हैं। वजह यह है कि इसका अस्तित्व होने के बावजूद इसके बारे में जानकारी की कमी, इसका हमेशा बंद होने का आभास देती है। वहीं उसके संचालन का अभाव भी इस पिंक टायलेट से ज्यादातर महिलाओं को दूर रख रहा है।

महिलाओं की सुविधा हेतु बनाया गया दो पिक टॉयलेट

अक्सर महिलाओं की एक बड़ी परेशानी रहती है कि जब वे बाजार या अन्य सार्वजनिक स्थान पर जाती हैं तो उसके टायलेट की आवश्यकता महसूस होने पर उन्हें इस कार्य लिए टायलेट नहीं मिल पाता है। उनकी इस समस्या को देखते हुए ही स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट लिमिटेड की ओर से शहर के कई स्थानों में महिलाओं हेतु पिंक टायलेट बनाए गए हैं, जिनका उपयोग सिर्फ महिलाएं कर सकती हैं। इसके तहत एक पिंक टायलेट कलेक्टोरेट परिसर और दूसरा देवकीनंदन चौक में निर्मित किया गया है।

देवकीनंदन चौक का पिंक टायलेट

क्यों दिखता है हमेशा बंद जैसा-

टायलेट के दरवाजे का डिजाइन अंदर-बाहर की गतिविधि को नहीं दर्शाता है। बाहर खुला या बंद होने का कोई संकेत बोर्ड नहीं है। आसपास संकेतक बोडों की कमी, महिला या किसी महिला कर्मचारी के न देखने से होने वाली हिचक। महिला कर्मचारी नहीं होने से भी हिचक

ज्ञात हो टायलेट के बाहर या अंदर किसी भी तरह की महिला कर्मचारी की मौजूदगी नहीं दिखना भी महिलाओं को खलता है। वैसे भी महिलाएं सार्वजिनक जगहों पर सुरक्षा और निजता को लेकर स्वाभाविक रूप से सतर्क रहती हैं। जब वहां कोई महिला या फिर महिला कर्मचारी न दिखे तो वे शौचालय में प्रवेश करने से कतराती हैं।

देवकीनंदन पिक टॉयलेट की उचित व्यवस्था होनी आवश्यक

एक? पिंक टॉयलेट कलेक्ट्रेट परिसर में बनाया गया है। इसका उपयोग विभिन्न विभागों में कार्य करने वाली महिला कर्मी करते हैं, जो महिलाओं के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। इसी तरह एक पिंक टायलेट देवकीनंदन चौक के पास देवकीनंदन कन्या स्कूल के बाजू में बनाया गया है। यह जगह शहर के व्यस्तम जगह में से एक है और दिनभर यहां से महिलाओं का आना-जाना रहता है। ऐसे में इसका भी ज्यादातर महिलाओं के उपयोग में आना चाहिए, पर वास्तविकता में ऐसा हो नहीं पा रहा है। ज्यादातर महिलाओं को तो यह पता भी नहीं है कि यह एक महिला टायलेट है। ऐसा बनाया गया है कि यह देखने में बंद प्रतीत होता है। महिला स्टाफ भी नजर नहीं आती है। ऐसे में महिलाएं इसका उपयोग करने से कतरा रहीं हैं। ऐसे में इस पिंक टायलेट का सही उपयोग अब तक नहीं हो पा रहा है। प्रशासन को इसकी उचित व्यवस्था की पहल करनी होगी अन्यथा इस पिक टॉयलेट महिलाओं के लिए निरर्थक साबित हो रहा है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा प्रदेश में 2000 करोड़ की नई आवासीय योजनाओं का शुभारंभ

0 कोरबा में 370 फ्लैट का होगा आगाज

0 राज्य स्तरीय आवास मेला का आयोजन 23 नवंबर से 25 नवंबर तक

कोरबा ,संवाददाता।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल हमेशा से ही लोगों को किफायती दर पर आवासीय कॉलोनी उपलब्ध कराने का कार्य करता रहा है। राज्य बनने के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा प्रदेश स्तर पर 2000 करोड़ की नई आवासीय योजनाओं का शुभारंभ किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत राज्य के सभी जिलों में आवासीय योजनाएँ प्रारंभ की जाएँगी। कोरबा जिले में खरमोरा में 370 फ्लैट का निर्माण होगा, जिसमें एम.आई.जी., एल.आई.जी. एवं ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के फ्लैट शामिल होंगे। संपत्तियों की जानकारी देने और आम जनता को सुविधा प्रदान करने हेतु बी.टी.आई. ग्राउण्ड, शंकर नगर, रायपुर में 23.11.2025 से 25.11.2025 तक राज्य स्तरीय आवास मेला का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में एक ही स्थान पर पूरे प्रदेश की सभी संपत्तियों की जानकारी प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त, मेले में उपस्थित लोग ऑन-द-स्पॉट मकान बुकिंग कर सकेंगे और होम लोन के लिए कई बैंकों के स्टॉल भी होंगे। बुकिंग कराने वाले लोगों के लिए आकर्षक उपहार भी प्रदान किए जाएंगे।आवास मेला का लोगो का अनावरण अध्यक्ष श्री अनुराग सिंहदेव एवं आयुक्त श्री अवनीश शरण के करकमलों द्वारा गया।

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने आज आछोटा, माकरदोना और केरेगांव धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया

सिंचाई की चुनौतियों के बावजूद कोरबा के किसानों को अच्छी फसल और उचित समर्थन मूल्य से मिली राहत

कोरबा , । विकासखंड के सुदूरवर्ती ग्राम ठाड़पखना के किसान गुलाब सिंह ने बताया कि इस वर्ष उनकी धान की फसल अच्छी रही है और उन्हें अपनी मेहनत का पूरा लाभ मिलने की उम्मीद है। लगभग 6-7 एकड़ खेत में उगाई गई फसल की मिंजाई में व्यस्त किसान ने कहा कि क्षेत्र में सिंचाई का कोई साधन नहीं है, इसलिए वर्षा पर ही पूरी तरह निर्भर रहना पड़ता है। गुलाब सिंह ने बताया कि बारिश इस साल भी अनुकूल रही और उनकी फसल अपेक्षित मात्रा में हुई। उन्होंने कहा किसान के लिए आसमान और सरकार ही भगवान हैं। अच्छी बारिश और सरकार द्वारा उचित मूल्य मिलने पर ही मेहनत का पूरा मोल मिलता है। हमारी खुशी तब पूरी होती है जब फसल बेचकर घर के लिए कुछ नया सामान खरीदने का सपना पूरा होता है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले वर्ष उन्होंने अपनी फसल बेची थी, और प्रति क्विंटल 3100 रुपये के समर्थन मूल्य के साथ दो साल का बकाया बोनस भी उन्हें मिला था।

इस बार भी उन्हें उम्मीद है कि उन्हें अपनी मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा। किसान गुलाब सिंह ने धान बेचने की प्रक्रिया में हुए सुधार की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि पहले धान उपार्जन केंद्र तक पहुंचने और तौल कराने में कठिनाई होती थी, लेकिन अब यह प्रक्रिया सुविधाजनक हो गई है। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दी जाने वाली अतिरिक्त राशि को किसानों के लिए महत्वपूर्ण बताया।

कृषक उन्नति योजना से बढ़ा आत्मविश्वास, समर्थन मूल्य ने दी आर्थिक मजबूती-किसानों के जीवन में खुशहाली की नई लहर

कोरबा , संवाददाता

छत्तीसगढ़ में कृषि को समृद्ध बनाने और किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा शुरू की गई कृषक उन्नति योजना किसानों के जीवन में नई रोशनी ला रही है। इस योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता ने किसानों को न केवल राहत दी है, बल्कि उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग और बेहतर उत्पादन के लिए प्रेरित भी किया है।

इसी क्रम में पाली विकासखंड के चैतमा धान खरीदी केंद्र में विगत वर्ष अपने 100 क्विंटल धान बेचने वाले ग्राम केराकछार के किसान श्री रामायण सिंह बताते हैं कि इस वर्ष 3100 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर धान बेचने से उनके परिवार को बड़ी आर्थिक राहत मिली। वे कहते हैं कि सरकार ने हमारे श्रम का सम्मान किया है। मेहनत की फसल जब उचित मूल्य पर बिकती है, तो खेती के प्रति भरोसा और उत्साह दोनों बढ़ जाते हैं।

रामायण सिंह के बेटे ओमप्रकाश भी सरकार की पहल से संतुष्ट हैं। उनका कहना है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी होने से किसानों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलता है। सरकार ने सिर्फ अनाज नहीं खरीदा, बल्कि किसानों के कठिन परिश्रम को सही पुरस्कार दिया है, वे कहते हैं कि पारिवारिक मेहनत से उत्पादन बढ़ा है। रामायण सिंह के परिवार में कुल चार सदस्य हैंकृपत्नी श्रीमती वृंदा, बेटा ओमप्रकाश और बहू। परिवार के सभी सदस्य लगभग 10 एकड़ कृषि भूमि पर मिल-जुलकर मेहनत करते हैं। उनकी साझा मेहनत और लगन के कारण हर वर्ष फसल उत्पादन में वृद्धि हो रही है।

कृषि उनके लिए सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि जीवनशैली है। खेतों में सामूहिक रूप से काम करने की उनकी परंपरा ने उनकी आय में लगातार बढ़ोतरी सुनिश्चित की है। किसान रामायण सिंह बताते हैं कि वर्ष 2023-24 में उन्होंने समिति में 168 क्विंटल धान बेचा था, जिसके बदले कृषक उन्नति योजना के तहत उन्हें 1.50 लाख रुपए से अधिक आदान राशि प्राप्त हुई। यह राशि उनके लिए कृषि विस्तार का आधार बनी।

इससे उन्होंने उन्नत किस्म के बीज, गुणवत्ता युक्त खाद, रासायनिक उर्वरक,आधुनिक कृषि संसाधन खरीदे और इस वर्ष उत्पादन बढ़ाने में सफलता पाई। वे बताते हैं कि योजना से मिली आर्थिक सहायता ने खेती को अधिक सहज बनाया है। इस वर्ष धान विक्रय से मिलने वाली राशि का उपयोग वे घरेलू जरूरतों के साथ कृषि को और अधिक समृद्ध बनाने में करेंगे। किसान रामायण सिंह और उनके बेटे ओमप्रकाश दोनों ही सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहते हैं कि हम छत्तीसगढ़ सरकार का आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने किसानों की उन्नति के लिए यह योजना लागू की। इससे हमारी मेहनत को सम्मान मिला है और उपज का उचित मूल्य भी सुनिश्चित हुआ है। ऐसी योजनाएँ हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। हम उम्मीद करते हैं कि यह सहयोग इसी तरह आगे भी मिलता रहेगा। कृषक उन्नति योजना और बढ़े हुए समर्थन मूल्य ने किसानों के मन में नया विश्वास जगाया है। इससे न केवल उनकी आय बढ़ी है, बल्कि खेती के प्रति उत्साह और उम्मीद भी मजबूत हुई है।

० कलेक्टर ने मतदाताओं से की अपील मतदाता सूची में अपने नाम का सत्यापन अनिवार्य रूप से कराए

जशपुर । विशेष गहन पुनरीक्षण एस आई आर अभियान के तहत गुरुवार को कलेक्टर श्री रोहित व्यास को बूथ लेवल अधिकारी (#BLO) द्वारा उनके शासकीय आवास पहुँचकर उन्हें गणना प्रपत्र सौंपा गया। ततपश्चात कलेक्टर जशपुर ने गणना पत्र भरकर बीएलओ एप से सत्यापन कराया।

उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि मतदाता सूची में अपने नाम का सत्यापन अवश्य कराएं।

उल्लेखनीय है कि जिले में बीएलओ द्वारा घर घर जाकर मतदाताओं से एसआईआर के तहत गणना पप्रत्र सौंप कर सत्यापन का कार्य निरंतर किया जा रहा है। यह कार्य 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 25 तक निरंतर किया जाएगा ।

रेत घाट का आबंटन ऑनलाइन प्रक्रिया से

रायपुर रायपुर जिले में पहली बार रेत घाट का आवंटन पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से कर दिया गया है। इस एकमात्र रेत घाट के लिए कुल 501 आवेदन आए थे, जिनमें से जांच के दौरान 23 को खारिज कर दिया गया। शेष 478 आवेदकों के बीच ऑनलाइन लॉटरी निकाली गई, जिसमें जनक कुमार यादव का चयन हुआ। सूत्रों का कहना है कि यह आवेदन रेत सिंडिकेट से जुड़े लोगों द्वारा कराया गया था, जिससे संकेत मिलता है कि घाट का संचालन भी उन्हीं के हाथों में रहेगा। अब जिले के 6 अन्य रेत घाटों की नीलामी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इनमें गोबरा नवापारा के टीला-बी, चांपाझर-ए, चांपाझर-बी, आरंग क्षेत्र के हरदीडीह-बी, कुरुद-सी और राटाकाट-बी रेत घाट शामिल हैं। इच्छुक आवेदक 26 नवंबर तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अधिकारियों के अनुसार, यदि प्रक्रिया सुचारू रही तो 27 नवंबर को कलेक्टोरेट परिसर में ही लॉटरी आयोजित की जाएगी।

इस बीच, ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया को लेकर यह भी चर्चाएं हैं कि रेत सिंडिकेट अलग-अलग नामों से लगातार आवेदन दाखिल कर रहा है, ताकि घाटों का नियंत्रण उनके पास ही बना रहे। टीला रेत घाट को लेकर पहले से विवाद है। सीमांकन जांच के लिए पटवारी, तहसीलदार और खनिज निरीक्षक से रिपोर्ट मंगाई गई थी, जिसमें बताया गया था कि प्रस्तावित घाट से 500 मीटर दूरी पर एक पुल निर्माणाधीन है। हालांकि, आवंटन के समय तहसीलदार और खनिज निरीक्षक ने अपनी पहले दी गई रिपोर्ट ही बदल दी, जिससे प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं।

छत्तीसगढ़ बोर्ड ने 2026 की प्रायोगिक परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी किया

रायपुर, 20 नवंबर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा 2026 के नियमित विद्यार्थियों के प्रायोगिक परीक्षाओं की तिथियां घोषित कर दी हैं। सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्रैक्टिकल परीक्षाएँ 1 जनवरी से 20 जनवरी 2026* के बीच आयोजित की जाएंगी। मंडल ने यह स्पष्ट किया है कि परीक्षाओं के दौरान आंतरिक और बाहरी दोनों परीक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।

मंडल ने प्रदेश के सभी प्राचार्यों को निर्देश दिया है कि निर्धारित 20 दिनों के भीतर प्रायोगिक परीक्षाएँ हर हाल में पूरी कराई जाएं। इसके लिए स्कूलों को उचित टाइम-टेबल तैयार करने के लिए कहा गया है, ताकि सभी विषयों की परीक्षा समय पर सम्पन्न हो सके।

प्रैक्टिकल परीक्षा समाप्त होने के बाद अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि और शील्ड पेपर जमा करने की अंतिम तिथि जल्द जारी की जाएगी। साथ ही, प्रायोगिक परीक्षाओं के बाद बोर्ड की मुख्य परीक्षा का टाइम-टेबल भी घोषित किया जाएगा।

सीएम साय बोले-छत्तीसगढ़ में विकास के लिए लगातार काम

० बिहार में सीएम का शपथग्रहण, साय ने दी नीतीश को शुभकामनाएं

रायपुर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज सरगुजा प्रवास पर हैं. जहां वे जनजातीय गौरव दिवस के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी मौजूद रहेंगे. रायपुर पुलिस लाइन हेलीपैड से रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से चर्चा की और राष्ट्रपति के प्रवास, नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण और प्रदेश के विकास को लेकर अपनी बात रखी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अंबिकापुर में आज जनजातीय गौरव दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित है, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विशेष रूप से उपस्थित होंगी। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की जनजातीय परंपरा, योगदान और गौरव को राष्ट्रीय पहचान देने वाला अवसर है।

नीतीश को शुभकामनाएं

नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा, नीतीश कुमार को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। एक बार फिर वह सीएम का दायित्व संभालेंगे. बिहार की जनता को भी बहुत बहुत बधाई। बिहार में फिर विकास की गंगा बहेगी और सुशासन की स्थापित होगा। सीएम ने कहा कि देश के किसी भी राज्य में स्थिर शासन और विकासोन्मुख नेतृत्व पूरे देश के लिए शुभ संकेत होता है।

विशाल रंगोली बनाकर छात्र छात्राओं ने सांसद के समक्ष दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

नगरी, एजेंसी

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फ़रसियाँ के प्रांगण में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के द्वारा संचालित आत्मनिर्भर भारत पदयात्रा का शुभारंभ किया गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक राष्ट्रव्यापी पहल है। यह एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत भारत के एकीकरण में उनकी अद्वितीय भूमिका का प्रतीक है और माननीय प्रधानमंत्री के विकसित और आत्मनिर्भर भारत मिशन के अनुरूप है।

कांकेर लोकसभा सांसद भोजराज नाग, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा, पूर्व विधायक पिंकी शिवराज शाह, पूर्व विधायक श्रवण मरकाम, जनपद पंचायत अध्यक्ष महेश गोटा, जनपद उपाध्यक्ष हृदय साहू, जिला पंचायत सदस्य अजय ध्रुव, जनपद सभापति प्रेमलता नागवंशी, जिला मंत्री दिनेश्वरी नेताम, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष नागेंद्र शुक्ला, नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा, नगर पंचायत उपाध्यक्ष विकास बोहरा, पूर्व मंडल अध्यक्ष मोहन नाहटा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष कमल डागा, पार्षद राजा पवार, जनपद सदस्य शुभम यदू, ग्राम पंचायत फ़रसियाँ सरपंच केशव टेकाम, शिवदयाल साहू,अजय नाहटा, राजेंद्र गोलछा, चंद्रिका प्रसाद साहू, त्रिलोक साहू, अरुण प्रजापति, सुदर्शन चनाप, भीमसेन गजेन्द्र, प्रदीप सोन, नगर पंचायत नगरी के पार्षदगण व अन्य अतिथियों ने विद्यालय प्रांगण में स्थापित स्वामी विवेकानंद जी के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एकता की दौड़ थीम पर छात्राओं द्वारा निर्मित विशाल रंगोली का अवलोकन कर सराहा। अदिति सिन्हा एवं सरस्वती सेन ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की तस्वीर और पोस्टर बनाकर सांसद महोदय को भेंट किये।

छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम कर यह बताया कि अनेकता में एकता का संदेश हमारा देश पूरे विश्व को दे रहा है व देश हमारे लिए सर्वोपरि है। शहीद स्मारक में शहीद रतन सिंह मरकाम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम के बाद यूनिटी मार्च विद्यालय परिसर से शुरू हुआ। विद्यालय के छात्र-छात्राएं व सैकड़ों की संख्या में लोग हाथ में तिरंगा झंडा लिए, एक भारतङ्कश्रेष्ठ भारत, एकता में शक्ति, सरदार पटेल अमर रहे जैसे नारे लगाते हुए पदयात्रा में सम्मिलित हुए।

किसान राजकुमार पटेल विशेष उत्साह से धान खरीदी के लिए तैयार

० बेहतर दाम मिलने से घर- परिवार की आर्थिक स्थिति होगी सुदृढ़

कोरबा ,जिले के सलिहाभांठा के मेहनतकश किसान श्री राजकुमार पटेल इस वर्ष विशेष उत्साह से धान खरीदी के लिए तैयार हैं। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत ने उनकी उम्मीदों को और मजबूत किया है। अच्छी बरसात, समय पर खाद-बीज उपलब्ध होना और मेहनत से की गई खेती-इन सबने मिलकर उनकी फसल को भरपूर उपज दी है। खेत से खलिहान तक धान के गट्ठर ढोते हुए राजकुमार के चेहरे पर संतोष साफ नजर आता है। वे जल्द ही फसल की मिसाई पूरा कर बरपाली उपार्जन केंद्र में धान विक्रय करने वाले हैं। सरकार द्वारा इस वर्ष 3100 प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी ने किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का रास्ता खोला है।

किसान राजकुमार ने बताया उनके पास 5 एकड़ खेती जमीन है, जहां उन्होंने धान की फसल ली है। फसल पककर पूरी तरह तैयार है। जल्द ही कटाई कार्य पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार की पैदावार पहले से बेहतर हुई है। समय पर बारिश और गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज मिलने से फसल हरी-भरी रही और उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। अब उन्हें उम्मीद है कि बेहतर दाम मिलने से घर-परिवार की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी तथा आगामी सीजन के लिए आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

यादव ठेठवार समाज की चतुर्थ सामाजिक समरसता उड़ीसा यात्रा शुभारंभ

रायपुर।

यादव ठेठवार समाज प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ के नेतृत्व में आयोजित बहुप्रतीक्षित चतुर्थ सामाजिक समरसता उड़ीसा यात्रा 22 नवंबर की सुबह 5 बजे सामाजिक ठेठवार भवन, रायपुर से शुभ मंगलकामनाओं के साथ रवाना होगी। यात्रा प्रभारी परमानंद यादव समाजजनों से निरंतर संवाद स्थापित कर यात्रा की सफलता हेतु दिशा-निर्देश प्रदान कर रहे हैं तथा संपूर्ण आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

इस भव्य सामाजिक अभियान में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से सैकड़ों स्वजातीय जन उत्साहपूर्वक शामिल हो रहे हैं। समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी और युवा प्रतिनिधि–हरीश यादव, रामसिंह यादव, नरोत्तम यदु, पुष्कर यादव, रविनायण यदु, पुमेंद्र यदु और सरोज यादव–यात्रा को विशेष मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। साथ ही पूर्व अध्यक्ष राजू यादव, समाज सलाहकार जोहत राम यादव, बलराम यादव, आर. के. यदु, नवीन यदु (शिक्षक), गौकरण यदु, बलदेव यादव, शंकर यादव, रघुनंदन यादव, अशोक, ललित यादव तथा देवेनारायण यदु (शिक्षक) की महत्वपूर्ण सहभागिता यात्रा को और अधिक सशक्त व ऊर्जावान बना रही है। उड़ीसा में इस सामाजिक यात्रा के स्वागत की तैयारियाँ अत्यंत भव्य हैं। वहाँ के स्थानीय यादव समाज द्वारा यात्रा दल का गर्मजोशी से अभिनंदन किया जाएगा। सैकड़ों युवाओं की बाइक रैली यात्रा का स्वागत करेगी, जबकि समाज के प्रमुखजनों को बग्गी के माध्यम से खरियार से सभा स्थल तक ले जाया जाएगा। पूरे मार्ग में स्थानीय कलाकारों द्वारा पारंपरिक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ यात्रा की शोभा को और बढ़ाएँगी। उड़ीसा के स्थानीय विधायकगण एवं सामाजिक प्रतिनिधि भी इस अवसर पर सहभागी रहेंगे।

यात्रा का उद्देश्य समाज के दूरस्थ अंचलों में निवासरत भाइयों से संपर्क स्थापित कर उनकी जीवन शैली, परंपराएँ, सामाजिक स्थिति एवं भौगोलिक परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त करना तथा शिक्षा, रोजगार, एकता और सामाजिक सक्रियता को प्रोत्साहित करना है। पूर्व में आयोजित बस्तर, सरगुजा और मध्य प्रदेश यात्राओं की अपार सफलता के बाद यह चौथा चरण समाज में नई ऊर्जा का संचार कर रहा है। यात्रा रायपुर से दुर्ग, पाटन, महासमुंद, बागबाहरा और खलारी होते हुए खरियार रोड पहुँचेगी, जहाँ भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित होगा। दूसरे दिन यात्रा पुरी पहुँचकर जगन्नाथ भगवान का दर्शन करेगी। तीसरे दिन चंद्रभागा में सूर्योदय दर्शन तथा कोणार्क सूर्य मंदिर का अवलोकन होगा, जिसके पश्चात भुवनेश्वर में सामाजिक सभा एवं धार्मिक स्थलों का दर्शन किया जाएगा। अंतिम चरण में यात्रा समलेश्वरी माता तथा हीराकुंड बांध का अवलोकन करते हुए खल्लारी में भव्य समापन के साथ सम्पन्न होगी।

दामिनी एवं मेघदूत एप से आकाशीय बिजली एवं मौसम पूर्वानुमान की मिलेगी जानकारी

0 सहायता एवं बचाव हेतु आपदा टोल फ्री नंबर 1070 जारी

जशपुरनगर 20 नवम्बर (आरएनएस)। भारत सरकार द्वारा बाढ़, आकाशीय बिजली, वनीय आग, लू-ताप-घात आदि आपदाओं के बारे में जनसामान्य को पूर्व चेतावनी प्रदान करने हेतु सचेत, दामिनी एवं मेघदूत एप विकसित किये गए है, मोबाइल में सचेत, दामिनी एवं मेघदूत एप को गूगलप्ले स्टोर से डाउनलोड कर उपयोग करने तथा आपदा के समय जनसामान्य की सहायता एवं बचाव हेतु आपदा टोल फ्री नंबर 1070 जारी किया गया है।

जिला प्रशासन द्वारा सभी आम नागरिकों को दामिनी एवं मेघदूत एप को गूगलप्ले स्टोर से डाउनलोड करने हेतु सूचित किया जा रहा है। ऐप डाउनलोड कर जानकारी प्राप्त किया जा सकता है तथा विशेष परिस्थिति में टोल फ्री नंबर 1070 पर कॉल कर संपर्क स्थापित कर सकते है।

किसानों की फसलों का कवच बननेगा मेघदूत एप

मेघदूत ऐप डिजिटल इंडिया के तहत किसानों को तकनीक से जोड़ने के लिए भारत सरकार द्वारा लांच किया गया है। मौसम विभाग में मेघदूत नाम का एक ऐप विकसित किया गया है जो किसान की फसलों का सुरक्षा कवच साबित होगा। इसका उपयोग बेहद सरल है। इसके माध्यम से मौसम की जानकारी के आधार पर किसानों को फसल जोखिम प्रबंधन से संबंधित सलाह मिलती है। इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर से किसानों को डाउनलोड करना होगा और फिर अपने मोबाइल नंबर से पंजीकरण करके मौसम की जानकारी का अलर्ट पा सकते हैं।

दामिनी ऐप से किसानों को मिलेगी आकाशीय बिजली से सुरक्षा

दामिनी ऐप के माध्यम से किसानों को आकाशीय बिजली से बचाव के तरीकों के संबंध में आधे घंटे पहले ही सूचना उपलब्ध हो जाएगी। इस ऐप पर रजिस्ट्रेशन करने के उपरांत किसान की लोकेशन के अनुसार उस स्थान से 40 किलोमीटर के दायरे में

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)